

हेमंत सोरेन की छवि खराब करने की साजिश रचने का आरोप साहिबगंज। जगमहल एस्पेडीअर के बयान पर पुलिस ने बहरहास दो पत्रकारों के खिलाफ प्राथमिक दर्ज किया है। इन दोनों पत्रकारों पर माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की छवि धूमिल करने के लिए साजिश के तहत केन्दुआ गांव में परिवारों को थाली लेकर सड़क किनारे बैठाने का आरोप है। पुलिस ने देवजीत कुशवाहा और रणविजय गुप्त के खिलाफ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एका के धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस मामले में दोनों पत्रकारों समेत तीनों बिचौलियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मंत्री ने पत्रकारों का बीमा कराने को लेकर सीएम को लिखा पत्र

रांची। पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने पत्रकारों का बीमा कराने व अन्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा है कि पत्रकार भी कोरोना वायरस हैं, उन्हें बीमा सहित अन्य सुविधाएं भी मिलनी चाहिए।

उन्होंने झारखंड यूनियन ऑफ जर्नालिस्ट्स व अन्य वरिष्ठ पत्रकारों के आवेदन पर मुख्यमंत्री से मांग की है। पत्र में उन्होंने कहा है कि कोविड 19 महामारी के दौरान लॉकडाउन के दौरान आपातकालीन सेवा से जुड़े चिकित्सक, चिकित्साकर्मियों, सुरक्षाकर्मों व सफाई कर्मियों की भांति समाचार लेखन व प्रसारण से जुड़े सभी वर्ग के मीडिया कर्मियों का



महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

महामारी के दौरान सेवा दे रहे मीडिया कर्मियों को अन्य राज्यों की भांति स्वास्थ्य सुविधा, आर्थिक

सहायता और बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की नितांत आवश्यकता है। मंत्री ने लॉकडाउन के दौरान सेवा दे रहे मीडिया कर्मियों के लिए स्वास्थ्य

सुविधा, आर्थिक सहायता व बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है।

मेरी छवि धूमिल कर राजनीति साधने की कोशिश : हेमंत

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बरहट मामले में कहा है कि वाकई शर्मनाक स्थिति है। यह उनकी छवि को धूमिल कर अपनी राजनीति साधने की कोशिश है इसे लोग अच्छी तरह से समझ सकेगे। इस महामारी के वक्त पत्रकारिता का राजनीतिकरण तकलीफदेह और लोकतंत्र के लिए अत्यंत घातक है।

जहां पिछली सरकार में राज्य पर लगातार भूखमरी का कलंक लगा वहीं इस आपदा के दौर में भी इस



सरकार ने सुनिश्चित किया है कि कोई

झारखंडी भूखा नहीं सोएगा। यह

स्थिति कुछ लोगों को खटक रही है जिसके कारण उनके खिलाफ ऐसी निम्न स्तर की राजनीति हो रही है कि पत्रकारिता को निम्न स्तर पर ले जाने पर उतारू तथाकथित पत्रकारों और दल विशेष के राजनीतिक कार्यकर्ताओं की फर्जी मंशा मुख्यमंत्री के फर्ज के सामने नहीं टिक सकता। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के लिए विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए महती कार्य करना जरूरी हो गया है।

भक्ताम्बर पाठ रविवार को: बबिता छबड़ा



हजारीबाग। आस्था जैन महिला रूप बड़ी बाजार की ओर से आज भक्ताम्बर पाठ का आयोजन।बता दे की आज रविवार को सुबह छः बजे से महिलाएं अपने अपने घरों में पाठ करेंगी और शाम लगभग साढ़े पांच बजे तक चलेगा।हमारे संवादिता ने जब बबिता छबड़ा से बात की तो बताया कि प्रकृति में आई आपदा के कारण इस पाठ का आयोजन किया गया है कोरोना वायरस की महामारी के कारण पूरा देश लॉक डाउन है। सोशल डिस्टेंस को ध्यान में रखते हुए महिलाएं अपने अपने घरों में भक्तांबर पाठ करेंगी।

दिल्ली से आये चालक से पूछताछ की पुलिस एवं मुखिया



नवप्रदेश संवाददाता
बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल गोविंदपुर एफ पंचायत अंतर्गत राजा बाजार मैदान के समीप भाड़े के एक मकान में रहने वाले दिल्ली से आये चालक से शनिवार को स्थानीय थाना की पुलिस एवं पंचायत के मुखिया ने पूछताछ की,तथा चालक की पूरी टैवल हिस्ट्री ली.इस संबंध में बताया जाता है कि पैंक नारायणपुर थाना

अंतर्गत नारायणपुर निवासी चालक जो कि बोकारो थर्मल के राजा बाजार मैदान के समीप एक भाड़े के मकान में रहता है,चालक मुंबई एवं दिल्ली में टुक चलाने का काम करता था,शनिवार को पंचायत के मुखिया गोपाल रजक,पंसस रामचंद्र पासवान,मुखिया प्रतिनिधि दीपक रजक को जानकारी मिली कि उक्त चालक शुक्रवार की रात्रि सात बजे दिल्ली से बोकारो थर्मल राजाबाजार पहुंच अपने आवास में है,मुखिया ने इसकी जानकारी स्थानीय थाना के इंस्पेक्टर विनोद कुमार को दी,इंस्पेक्टर के निर्देश पर थाना के अवर निरीक्षक केके राय,सअनि शैलेंद्र मुर्मू,मुखिया,पंसस,आजसू के बेरमो प्रखंडध्यक्ष मंजूर आलम,पूर्व समिति सदस्य बिनोद कुमार साहू,बुजमोहन सिंह चालक के आवास पर पहुंच उससे जानकारी ली. दिल्ली से टुक से आया था चालक सपरिवार-चालक ने पुलिस को पूछताछ के दौरान बताया कि वह दिल्ली एवं मुंबई में टुक चलाने का काम करता है,शुक्रवार को वह दिल्ली से टुक से अपने परिवार के सदस्यों पिता,मां एवं नारायणपुर के ही दो अन्य लोगों सहित कुल पांच लोगों के साथ गिरिडीह के इसरी पहुंचा,वहां से वह भाई के साथ बाईक से बोकारो थर्मल आ गया,जबकि बाकी लोग नारायणपुर चले गये,कहा कि रात्रि के बाद से ही वह अपने घर में है,बेरमो पीएससी की एएनएम ने चालक के तापमान की जांच की,पुलिस ने चालक को गोमिया सरकारी हॉस्पिटल में जांच करवाने के लिए भेज दिया,चालक के दिल्ली से आने की खबर से स्थानीय स्तर पर चर्चाओं का बाजार गर्म है।

भारी मात्रा में लकड़ी का बोटा, कटा हुआ पेड़ किया बरामद



हजारीबाग। साथ ही तिडज चोरिया जंगल से ही पप्पु सिंह के नाम से पंजीकृत एक स्कूटी नम्बर-JH 01 BL 1766,तीन साईकिल,दो आरा मशीन,कुल्हाड़ी को किया गया जब्त ।

वन विभाग हजारीबाग जिले के पदाधिकारियों को किया गया सूचित। एक तरफ जहां पूरा देश लाकडाउन में कोरोना महामारी से लड़ने में जुटा हुआ है वहीं हजारीबाग जिले के दारु प्रखण्ड के तिडज चोरिया के जंगल में चोरिया तिडज के लकड़ी माफियाओं द्वारा बड़े पैमाने पर प्रतिदिन लकड़ी काटकर तस्करी की जा रही है । इसकी शिकायत मिलने पर दारु प्रखण्ड के बीडीओ सह सीओ राम रतन कुमार वर्णवाल एवं दारु थाना के थाना प्रभारी विनोद तिवर्ी ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान औचक छापामारी की,इस छापामारी में भारी मात्रा में लकड़ी का बोटा,कटा हुआ पेड़ बरामद किया गया है । साथ ही तिडज चोरिया जंगल से ही पप्पु सिंह के नाम से पंजीकृत एक स्कूटी नम्बर-छ्वा 01 अर 1766 ,तीन साईकिल,दो आरा मशीन,कुल्हाड़ी जन्त किया गया है । साथ ही अग्रेतर कार्रवाई के लिए हजारीबाग जिला वन प्रमण्डल पदाधिकारी पूर्वी डिवीजन सहित वन विभाग के सभी संबंधित पदाधिकारियों को सूचना दे दी गई है । दारू के बीडीओ सह सीओ राम रतन कुमार वर्णवाल ने सम्बन्धित विभाग से लकड़ी तस्करो के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई के लिए वन विभाग से आग्रह किया है।

विधायक ने टंडवा व इटखोरी में नियमित बिजली आपूर्ति के लिए लिखा पत्र

टंडवा। सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास ने महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता विधुत प्रमंडल हजारीबाग के नाम नियमित बिजली आपूर्ति के लिए पत्र लिखा है। पत्र मे कहा है कि सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के दो प्रखंड टंडवा और इटखोरी में शाम सात बजे से दस बजे तक विधुत आपूर्ति बंद कर दी जाती हैं। जिससे इस समय में बच्चों के पढ़ाई में कभी प्रभावित हो जाता हैं। साथ ही वैश्विक महामारी के कारण घर से बाहर नहीं जा पा रहे आमजनों को कठनाई हो रही हैं। श्री विधायक ने ध्यानाकृष्ट कराते हुए उक्त समय पर नियमित बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की जाए। जिससे छात्र छात्रां पढ़ाई और आमजनों को गर्मी से निजाद मिल सके।

अक्षय तृतीया को गायों को गुड़ ,चोकर खिलाना चाहिए

हजारीबाग। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर आज रविवार को कोलकाता पिंजरापोल सोसाइटी के सचिव चंद्रप्रकाश जैन के द्वारा गायों को चारा,गुड़ व गौशाला में कार्यरत चालीस से भी अधिक कर्मचारियों को राशन का वितरण किया जाएगा। आज का दिन शुभ है और आज के दिन गायों को गुड़ ,चोकर खिलाना चाहिए।



दाल भात केन्द्रों का निरीक्षण



नवप्रदेश संवाददाता
जेनामोड़। जरीडीह प्रखंड के अंतर्गत संचालित दाल भात केंद्रों का निरीक्षण बोकारो के एन, डी, सी प्रभाग कुमार दत्ता ने घूम घूम कर किया ।कई केंद्रों मिली समस्याओ का समाधान भी किया ।श्री दत्ता ने बताया कि मंगलवार तक सभी केंद्र संचालको के खाते में बकाये राशि का भुगतान कर दिया जाएगा । मौके पर राकेश कुमार, बी.पी.ओ, आशीष रंजन,शेखर कुमार आदि उपस्थित थे ।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले 25 दुपहिया चालकों का कटा चालान



धनबाद। कोविड 19 के फैलाव के रोकथाम के लिए घोषित लॉकडाउन में बैंक मोड़ के पास झरिया पुल पर बने चेक पोस्ट पर दंडाधिकारी श्री सुनील कुमार श्रीवास्तव एवं पुलिस पदाधिकारी श्री सत्येंद्र नारायण सिंह एवं उनकी टीम ने बिना मास्क लगाकर घरों से बाहर निकलने, दो पहिया वाहन पर डबल राइडिंग करने तथा हेलमेट नहीं पहनने वाले 25 दो पहिया वाहन चालकों का चालान काटा।

दंडाधिकारी श्री सुनील कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सभी दुपहिया वाहन लॉकडाउन का उल्लंघन कर रहे थे। जिला प्रशासन के आदेश के विपरीत टू व्हीलर पर डबल राइडिंग कर रहे थे। कई चालक बिना हेलमेट और कई चालक बिना मास्क लगाएं बाहर निकले थे।

इनरव्हील क्लब ने कहा स्टे होम



हजारीबाग। कोरोना वायरस की महामारी को देखते हुए इनरव्हील क्लब ऑफ युवा टीम के सभी सदस्यों ने आम जनता से किया अपील, अपने ही घरों में रहकर स्लोगन के माध्यम से आम जनता से कर रही है अपील।

टांडमोहनपुर अज्ञात चोरों ने चुराए गाय, करवाई करने की माँग

जैनामोड़। जरीडीह थाना अंतर्गत टांडमोहनपुर पंचायत निवासी मंजू देवी ,पति राजाराम प्रजापती का दुध। रू.बी,पी ,एल का गाय गत रात्रि 24 अप्रैल को अज्ञात चोरों ने चुरा।कर ले गए । गव्यविकाश बोकारो के द्वारा गाय उपलब्ध कराई गई ।जिसे चोरो चुरा कर ले भागे ।जिसकी जानकारी लिखित रूप से जरीडीह थाना को देकर उपर्युक्त कार्यवाई करने की मांग की ।

ब्राह्मण समाज ने लॉकडाऊन का पालन करते हुए मनाया परशुराम कि जयन्ती

नवप्रदेश संवाददाता
बोकारो थर्मल। अन्तराष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा ग्राम स्थल नावाडीह प्रखंड के ऊपरघाट कंजकिरो में संघ के महासचिव सत्येंद्र कुमार पांडेय के आवास एवं उनके उपस्थिति में शनिवार को भगवान परशुराम कि जयंती मनाई गई।जिसमे लॉकडाऊन का पालन करते हुए मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा अर्चना कर शांती पाठ एवं पूर्णोजलि अर्पित किया गया। इस मौके पर संघ के महासचिव सत्येंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि भगवान परशुराम विष्णु के छोटे अवतार लेकर धरती पर अवतरित हुए और ब्राह्मणों के प्रति ज्ञान,विवेक,निष्ठा,वेद वेदांत के परिपत्र एवं सम्पूर्ण भारत के कल्याण किये थे। साथ ही इनका जिवन चरित्र सदेव ज्ञान,विद्या,वीरता और न्याय का सदा पक्ष लेने वाले और अन्याय पर संघर्ष करके न्याय का विजय प्राप्त इनका जिवन का मुख्य उद्देश्य रहा।साथ ही महासचिव सत्येंद्र कुमार पांडेय ने संगठन को लॉक डाऊन समाप्त होने के बाद विस्तार



करने कि बात कही। मौके पर संघ के जिला संगठन मंत्री विजय

पांडेय,वरिष्ठ ब्राह्मण समाज के प्रयाग पांडेय,लखन लाल पांडेय,

रुपेश पांडेय,लोकेश पांडेय,सुमित पांडेय,शिवम पांडेय उपस्थित थे।

ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता



हजारीबाग

कोरोना वायरस की महामारी में जहां एक ओर लॉक डाउन है वहीं सभी अपने अपने घरों कैद है। स्कूल, कालेज सभी बंद है। ऑनलाइन पढाई कर रहे है बच्चे। इसी बीच कार्टून कैरेक्टर पर कपटीशन का आयोजन अपने अपने घरों में ही बैठकर कर रहे हैं । जिसमे टिश्यू पांडिया ने बताया कि अभी की हालात ने बच्चे सही घर

में हैं इसको लेकर 7 दिनों तक चलने वाला 7 तरह के अलग अलग पेंटिंग कपटीशन का आयोजन हम लोगों ने किया है जिसमें 15 बच्चों ने भाग लिया है और अलग-अलग तरह के पेंटिंग उकरी है। जिसमे तनिषा जैन,तनिष्क जैन, दिव्या जैन शौर्य जैन तुल्यम जैन समेत कई बच्चो ने अपने अपने घरों में ही पेंटिंग उकरी है।

छेड़खानी की शिकायत करने पर जेल भेजने की मिली धमकी पीड़ित छात्रा ने नामकुम थाना की पुलिस पर लगाया है आरोप

अपराध संवाददाता
रांची। सत जेवियर कॉलेज की छात्रा रह चुकी युवती से छेड़खानी का मामला प्रकाश में आया है। आरोपियों ने इस दौरान छात्रा को पकड़कर घसीटते हुए छत ले जाने की कोशिश की है। घटना बीते 22 अप्रैल रात करीब नौ बजे की है। वहीं पीड़ित छात्रा ने आरोप लगाया कि मामले की जानकारी जब नामकुम पुलिस को दी, तो उक्त पुलिस द्वारा उसके ही पिता को जेल भेजने की धमकी दी गयी। नामकुम पुलिस ने छात्रा के बयान पर प्राथमिकी दर्ज तो की है, लेकिन आरोपियों की तरफ से भी लिए गए आवेदन पर मारपीट से संबंधित एक मामला का इंटरव्यू के तौर पर दर्ज किया है।

इस पूरे मामले की जानकारी जब एसएसपी अनीश गुप्ता को मिली, तो उन्होंने साबुब सेल की डीएसपी यशोदरा को जांच की जिम्मेवारी दी है। इससे पूर्व छात्रा ने कहा कि चार आरोपितों ने घेरे रखा था। इस पर शोर मचाने लगी, तो आवाज सुनकर बहान निकली। उसे बांध के लिए एक ईंट का टुकड़ा फेंका। इसके बाद बदमाशों ने छात्रा को छोड़ा। वहीं, बचाव के

लिए जब मां और पिता घर से उनसे भी मारपीट की गई। इसे एफआइआर दर्ज कराया है।
बाहर निकले, तो आरोपियों ने लेकर छात्रा ने नामकुम थाने में इस संबंध में एसएसपी

अनीश गुप्ता ने कहा कि मामला सज़ान में आया है। इसकी जांच की जिम्मेवारी साइबर सेल की डीएसपी यशोदरा को दी गई है। जाँच के बाद दोनोंपक्षों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

क्या है मामला पिता को बर्बाद करने की धमकी भी दी। इस मामले को लेकर छात्रा की मां ने एसएसपी अनीश गुप्ता को भी आवेदन दिया गया है।

और विकी पिता अयोध्या प्रसाद सिंह विजय के मकान से शोर मचाते हुए उतर रहे थे। उसी दौरान छात्रा ने उनकी वीडियो बनानी	ललन सिंह ने भी दर्ज कराई एफआइआर नामकुम थाना में ललन प्रसाद सिंह ने भी
--	--

इस मामले में मारपीट की प्राथमिकी दर्ज कराई है। ललन प्रसाद के अनुसार 22 अप्रेल को की रात उनके अलावा प्रकाश उदय, देवनाथ कुमार महतो, विजय कुमार खाना खाने की तैयारी में थे। इसी दौरान पास में रहने वाले छात्रा के पिता, उनकी पत्नी एवं दोनो बेटों ने मिलकर पबी के साथ मारपीट एवं गाली गलौज की। बीच-बीचबाच करने पर मुंह पर मार दिया। इससे गंभीर चोट लगी। इसकी वीडियो बना रहे प्रकाश का मोबाइल तोड़ दिया।

हिंदू जागरण मंच ने किया एकदिवसीय अनशन



सबाददला
राँची। हिंदू जागरण महाराष्ट्र में हुए दो साधुओं की हत्या पर दुःख व रोष व्यक्त करते हुये शनिवार को हिंदू जागरण मंच के लोगों ने एक दिवसीय अनशन किया , जो 11 बजे प्रातः से 4 बजे संध्या तक किया गया। इस संबंध में मंच के राँची जिला के अध्यक्ष श्री राकेश कर्ण ने बताया कि सैकड़ों लोगों ने निर्धारित समय पर अपने अपने घरों में अनशन किया।उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से मांग की है कि हत्या के सभी आरोपियों की जल्द से जल्द पहचान करके अनशन लोगों को फाँसी पर लटकया जाए और साधुओं को न्याय दें।

धर्म समभाव की बात करते हैं परन्तु कुछ विशेष समाज के द्वारा हम पर लगातार आघात किया जाता है, हम सभी को गले लगाते हैं, भाई-भाई का नारा देते हैं परन्तु बदले में हमें क्या मिलता है? हिन्दू कार्यकर्ताओं, नेताओं की हत्या और अब तो साधु-संतों की भी नहीं छोड़ा जा रहा है। यह बेबंद ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

अतः हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि महाराष्ट्र की हत्या के मामले को गंभीरता से लें तथा महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल से अनुरोध है कि महाराष्ट्र सरकार को बर्खास्त करके वहां राष्ट्रपति साशन लागू किया जाए।

लॉक डाउन में घर में हो रही थी शराब की बिक्री
गंगानगर इलाके में अवैध
शराब के साथ एक गिरफ्तार

अपराध संवाददाता
रांची। सुखदेव नगर थाना की पुलिस ने शनिवार देर शाम गंगानगर छठ घाट के समीप छापामारी कर एक घर से अवैध शराब की पेट्टी बरामद की है। मौके पर पुलिस ने अवैध शराब के साथ एक व्यक्ति को भी धर दबोचा है।

इस संबंध में सुखदेव नगर
थाना के इंस्पेक्टर थाना प्रभारी
जॉन मुर्मु ने बताया कि पुलिस को
गुप्त सूचना मिली थी कि गंगा नगर
इलाके में घर पर अवैध शराब की
बेक्री की जा रही है। उक्त सूचना
पर पुलिस ने छापामारी कर घर से
एक पेट्री विदेशी शराब बरामद की



है। पुलिस ने मौके पर अवैध रूप से शराब बेचने के आरोप में एक व्यक्ति दिनेश प्रसाद को गिरफ्तार किया है। आरोपी लॉक डाउन में अवैध रूप से शराब बेच रहा था, जिस पर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

मोदी आहार एवं खिचड़ी का वितरण

सवाद्दाता

रांची। ओशनिक ग्रुप अरगोड़ा हाउसिंग के द्वारा शनिवार को रातू रोड देवी मंडप रोड देवी मंदिर परिसर में, नायक चौक एवं अरगोड़ा पाहन टोली में 600 लोगों के बीच खिचड़ी एवं 80 बूढ़े बुजुर्गों के बीच कच्चा मोदी आहार वितरण किया गया। वितरण समारोह का नेतृत्व समाजिक दूरी का पालन करते हुए प्रसिद्ध समाजसेवी छत्र कलब के संस्करण सुरेश शर्मा एवं शिव किशोर शर्मा ने किया।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि भाजपा नेत्री सुचिता सिंह, सरोज सिंह, ओशनिक ग्रुप के चेयरमैन राजा दुर्वा, पंकज कुमार, अभिनव गिरिशी, मिथुन कुमार, धार्मिक नेत्री हेमा दुवा, हर्षिता श्रीवास्तव, बनीता जी मौजूद रहे। राजा वर्मा एवं हर्षिता श्रीवास्तव ने लोगों को कोरोना वायरस से बचने के लिए ठेर सारी जानकारी दिए। हेमा दुवा ने कहा आप सभी लोग घर में भी सामाजिक दूरी का पालन करें एवं एवं खाने के पहले हाथ अवश्य धो लें। कोरोना वायरस से बचने के लिए सस्च्छता एवं सतर्कता जरूरी है। खिचड़ी वितरण के क्रम में ओशनिक ग्रुप एवं अतिथियों को क्षेत्र के लोगों ने इस पुण्यकार्य के लिए भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ओशनिक ग्रुप के रोशन चौधरी,अभिषेक सेन गुप्ता, मिथिलेश कुमार, पिंदू सिंह, सुनील राय, गौतम सिंह,गोलू रजक, ऋषि कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



ग्रामीणों के बीच 10 10 किलोग्राम अनाज का वितरण



रामगढ़। कोविड-19 से उत्पन्न हुई परिस्थितियों को देखते हुए गिरिजा इस्टेट्यूट ऑफ पॉलिटेक्निक दोहाकातू रामगढ़ निवारण को अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए दोहाकातू गांव में प्रमुख श्री नारायण कर्माली के उपस्थिति में कालिज के स्टाफ राहुल सिंह ने ग्रामीणों के बीच 10 10 किलोग्राम अनाज का वितरण कराया, गिरिजा इस्टेट्यूट ऑफ पॉलिटेक्निक ने कोरोना से लड़ाई में आगे भी सहयोग करने का वादा किया।

**पुलिस ने बरसाया डंडा, मास्क लगाना अनिवार्य,
अन्यथा एक हजार का जुर्माना तय: बीडीओ**



संवाददाता
डोमचांच (कोडमरा)। देश में जिस तरह कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ झारखण्ड राज्य में भी संक्रमण की गति की रफ्तार थमने का नहीं नाम ले रहा है। कोडमरा उपायुक्त रमेश घोल्टप द्वारा पूरे जिले में शुक्रवार से फेस मार्क लगाना अनिवार्य कर दिया गया है, जिसके अर्धनग्न दिन शनिवार को डोमचांच बाजार हाट व नगर क्षेत्र में बीडीओ मनीष कुमार व थाना

प्रभारी दशरथ यादव ने सोशल डिस्टेंस का पालन बड़े ही कड़ाई से कर रहा है। मास्क ना लगाने वाले लोगों को जुर्माना देते सक हिदायत दिए गए। बुझी हुई मनीष कुमार ने बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए मास्क पहनना आवश्यक है। न निकले साथ ही कहा फेस पर मास्क नहीं रहने पर 1000 का जुर्माना वसूला जाएगा। 1000 का जुर्माना वसूला जाएगा। दौरेन थाना प्रभारी दशरथ यादव के निदेश पर बिना मास्क वाले

कई दो पहियों वाहनों को रोककर
 डंडे बसकर सतर्क भी किया
 गया। ताकि अपनी जान की कीमत
 समझ सकें। साथ ही उन्होंने कौन
 कौन अपनी जान और परिवार की
 कीमत समझे और मार्क लगाकर
 ही निकले जिला प्रशासन आप
 लोग की जिंदगी के लिए ही इस
 जंग के मैदान में खड़े हुए हैं। मौके
 बीबीओ मनीष कुमार, थाना प्रभारी
 इशरथ यादव, नगर उपाध्यक्ष पप्पू
 मेहता, सिटी मैनेजर संतोष कुमार,
 सरज कुमार, मौजूद थे।

बाइक सवार पर लॉक डाउन उल्लंघन करने का मामला दर्ज

अपराध संवाददाता



रांची। अरगोड़ा थाना की पुलिस ने शनिवार को लॉक डाउन उल्लंघन करने के आरोप में एक आरोपी के खिलाफ नामजद प्रारंभिकी दर्ज की है। आरोपी आदित्य गौरव दुबे अरगोड़ा थाना अंतर्गत साकेत बिहार का रहने वाला है।



इस संबंध में अरगोड़ा थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर बिनोद कुमार ने बताया कि कडरू ट्रैफिक पोस्ट में तैनात स अ नि प्रभात रंजन सिंह

ने द्वारा आरोपी के खिलाफ आने में लॉक डाउन उल्लंघन करने का मामला दर्ज कराया गया है। आरोपी शनिवार 11:00 बजे के करीब हज हाउस की तरफ से बेवजह कडरू कटिंग की तरफ बाइक से जा रहा था। आरोपी को रोकने पर संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया, जिसके खिलाफ लॉक डाउन उल्लंघन का मामला पुलिस ने दर्ज किया है।

बेवजह रोड पर वाहन लेकर घमने वालों का कटा चालान

अपराध संवाददाता
रांची। गोदा थाना की पुलिस ने शनिवार को कांके रोड सहित विभिन्न मुहल्लों में लॉक डाउन में बिना वजह के घुमने वाले दो पहिया वाहनो, बिना हेलमेट, बिना लाइसेंस , बिना प्रदूषण सर्टिफिकेट सहित अन्य कागजात नहीं रहने पर वाहन में काचालन काटा। 18 दो पहिया वाहनों तथा एक चार पहिया वाहन में कागजात नहीं रहने पर गोदा पुलिस ने कुल 63 हजार का जर्माना किया।

सहिया गाली गलौज करने एवं धक्का मुक्की करने का आरोप

पांकी। तेतराई पंचायत के ग्राम बेरु में कोरीना (कोविड 19) के कार्य कर रहे स्वास्थ्य सहिया सरोज देवी एवं समूह की सक्रिय महिला कर्यकर्ता रीना देवी पर बेरु के ही वाई सदस्य पति मतीन अहमद के द्वारा अभद्र व्यवहार करने,गाली गलौज करने एवं धक्का मूसल करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में स्वास्थ्य सहिया सरोज देवी ने बताया कि मैं एवं रीना देवी कोविड 19 के काम का लेकर सर्वेक्षण,दिवाले लेखन ,एवं गणना का कार्य करतीं को लेकर बेरु गई थी।वहाँ पहुँचने में क्यों?आई भाग जाओ नहीं तो व से चिह्नने लगे और हमारे हाथ से रों पास रख लिये।हमलोग के साथ धक्का कर घ पहुँचे और घर वालों को रु कुमार एवं पांकी थाने को लिखित भी भदी भदी गलियां दी गई।सरोज



र गाँव के मतीन अहमद द्वारा कहा गया कि तुमलोग मुसलमान के गाँव रोना हो जायेगा।कोई काम यहाँ नहीं करने देंगे।यह कहते हुए जोर जोर से जख्तर एवं कोविड 19 के रिपोर्ट से संबंधित फॉर्मेट को फाड़ कर अपने मुक्की भी करने लगे।कुसी तरह हमदोने जान बचा कर दोहरे दोहर भाग गये। बात बताई।इसकी सूचना पाम्की के प्रभारी चिकित्सा प्रभारी डॉ महेंद्र प्रसाद दीमातीन अहमद के द्वारा आदरणीय प्रधानमंत्री को संबोधित कर लिखे ने बताया कि इस घटना से हमलोग भयभीत हैं।

क्या कहते हैं विधायक

क्या व्यक्त करते हुए क्षेत्रीय विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने अपने जान पुर खेलकर कोरोना मरीजों का इलाज कर रहे हैं। वहाँ दूसरी अभद्र व्यवहार धक्का मुक्की करते हैं जो काफी शर्मनाक है। ऐसी घटनाओं उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी के प्रति अभद्र करने वाले लोगों को भाजपा कार्यकर्ता कतई बर्दाश्त नहीं कर रूँकता उसी की भाषा में जनाब देने को सक्षम है। पुलिस अविलम्ब ऐसे पर कड़ी से कड़ी सजा दिलाये।

हिन्दपीढ़ी में नदी

कोरोना के डर से नगर निगम के कर्मचारी नहीं कर रहे सफाई, गंदगी से भरा-पड़ा है क्षेत्र

रांची: यह नदी नहीं बल्कि नाला रोड, हिंदपीढ़ी की सड़क है। जहां नाली का पानी सड़क पर बह रहा है। जिसने नदी का रूप ले लिया है। हिंदपीढ़ी में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के डर से यहां नगर निगम के सफाई कर्मियों का जाना बंद हो गया है। जिससे हिंदपीढ़ी के प्रायः सभी गली मोहल्लों में सफाई का काम बंद है। यही कारण है कि वहां की नालियों में कचरे का अंवार लग गया है और नाली के पानी सड़क पर नदी का रूप ले लिया है। जिससे महामारी फैलने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इस संबंध में नाला रोड के लोगों का कहना है कि जब से हिंदपीढ़ी में कोरोना संक्रमण की शुरुआत हुई है तब से निगम कर्मियों यहां सफाई करने से कतरा रहे हैं। जिससे यहां के लोगों की जिंदगी और नारकीय होते चली जा रही है। नाली का पानी सड़क पर बहने के कारण लोग बदबू और मच्छरों से परेशान हैं। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने उपायुक्त व नगर निगम के अधिकारियों से नालियों की सफाई जल्द कराने का आग्रह किया है।



कडरू में भाजपा ने 150 मजदूरों को दिया मोदी श्रमिक किट



रांची: कडरू में आज 150 मजदूरों के बीच मोदी श्रमिक सुखा किट का वितरण भाजपा नेता व झारखंड जनशक्ति मजदूर के केंद्रीय अध्यक्ष ललित नारायण ओझा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संजय

कुमार जायसवाल और ललित नारायण ओझा द्वारा किट देकर की गयी। कैसे सुरक्षित रखें इसकी भी जानकारी दी गई। मौके पर कहा गया कि हमारा प्रयास जरूरतमंदों तक मोदी आहार पहुंचाना है। लोग

कैसे इस महामारी से बचे कैसे स्वस्थ रहें उसकी भी जानकारी दी गयी। कोरोना रूपी महामारी के बारे जागरूकता अभियान भी चलाया गया। साथ में सोशल डिस्टेंसिंग का भी खयाल रखा गया।

साधु-संतों की निर्मम हत्या के विरोध में रखा उपवास

रांची: हिंदू जागरण मंच द्वारा महाराष्ट्र के पालघर में दो संतों और उनके ड्राइवर की पुलिस के खामने भीड़ द्वारा की गई निर्मम हत्या के विरोध में आज उपवास रखा गया। इस मौके पर मंच के महानगर अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह ने अपने आवास में उपवास रखा। इस मौके पर श्री सिंह ने कहा

क संतो की हत्या एक सोची समझी साजिश के तहत की गई है। महाराष्ट्र की उद्भव सरकार से अविलंब इस घटना पर पर इस्तीफा मांगते हुए श्री सिंह ने इस घटना की जांच एनआईए से कराने की मांग की। इसके अलावा कई अन्य मंच के सदस्यों ने अपने-अपने घरों में उपवास किया।



65 हजार का काटा चालान

रांची: बेवजह सड़क पर निकलने वालों से पुलिस सख्ती से निपट रही है। फिर भी लोग नहीं मान रहे हैं। खेलगांव थाना प्रभारी मुक्ति नारायण सिंह

के नेतृत्व में खेलगांव के पास चैकिंग अभियान में बेवजह रोड पर घूमने वाले वाहन मालिक से लगभग 65 हजार का चालान काटा गया।



महंगाई भत्ता फ्रीज करने संबंधी जारी आदेश वापस लेने की मांग

रांची: झारखंड राज्य अराजकपत्रित कर्मचारी महासंघ ने केंद्र सरकार द्वारा जनवरी 2020 से जुलाई 2021 तक के महंगाई भत्ता फ्रीज करने संबंधी जारी आदेश को वापस लेने की मांग की है। महासंघ का कहना है तृतीय व चतुर्थवर्गीय कर्मचारी एवं पेंशनभोगी अल्पवर्तन भोगी होते हैं, इस निर्णय से उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। जबकि लोकडाउन के कारण सभी आवश्यक वस्तुओं की कमी के कारण महंगाई भी बढ़ती है। ऐसे में समय-समय पर डीए मिलने से उन्हें महंगाई से राहत मिलती रही है। अभिकाश कर्मचारियों ने बैंक से ऋण ले रखा है। कर्मचारियों के बच्चे उच्च शिक्षा में अध्ययनरत हैं, इंजीनियरिंग, मेडिकल की फीस और बैंक किस्त का उन्हें भुगतान करना पड़ता है। इसके अलावा पेंशनकर्मियों को दवा एवं मेडिकल सुविधाओं में ज्यादा खर्च करना पड़ता है, लेकिन महंगाई भत्ता फ्रीज होने से कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति चरमरा जाएगा। महासंघ की ओर से राज्य सरकार से यह मांग की गयी है कि राज्यकर्मियों और पेंशनधारियों को समय-समय पर मिलनेवाले महंगाई भत्ते पर रोक नहीं लगायी जा और जनवरी 2020 का चार प्रतिशत देय महंगाई भत्ता अविलंब राज्यकर्मियों को दिया जाए।



महिला समर्पण शाखा ने हिंदपीढ़ी के जरूरतमंदों के लिए दी खाद्य सामग्री

रांची: मारवाड़ी युवा मंच महिला समर्पण शाखा ने आज कोविड-19 का हॉटस्पॉट बने हिंदपीढ़ी के जरूरतमंदों के बीच बांटने के लिए जिला प्रशासन को आटा, दाल, चावल, बेसन, तेल, सूखा अनाज आदि खाद्य सामग्री दिया। अध्यक्ष तृतीय के उपलक्ष्य में यह दान सचिव ज्योति अग्रवाल द्वारा किया गया। मौके पर शाखा की अध्यक्ष मोना टाड़वाला ने कहा कि हमारी कोशिश हमेशा ही जरूरतमंदों की सेवा करनी रही है।



बैंक ऑफ इंडिया ने नामकुम में जरूरतमंदों को कराया भोजन

रांची: नामकुम स्थित सदाबहार चौक के पास बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। इस मौके पर बैंक ऑफ इंडिया नामकुम की शाखा प्रबंधक दीपिका यादव ने कहा कि हमें यह देखकर प्रसन्नता हो रही है कि इस संकट की घड़ी में कई समाजसेवी बहुरचक्र हस्ता ले रहे हैं। ऐसे में बैंक ऑफ इंडिया के नामकुम शाखा की ओर से दो दिन जरूरतमंद लोगों भोजन करवाने की व्यवस्था की गयी है। मौके और उन्होंने कहा कि हमारी अन्य शाखाओं द्वारा भी इस तरह की व्यवस्था की जा रही है। मौके पर बैंक शाखा की नूतन कुजुर, स्नेहा



कुमार, विट्टु कुमार, विजय कुमार के साथ स्थानीय जिप सदस्य आरती कुजुर उपस्थित थीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में अशोक महतो, मुना

केसरी, निर्मल घोष, प्रदीप घोष, गोपाल झा, संजय शर्मा, अजीत मालाकार, भास्कर शंकर, सोनी, प्रीति केसरी का मुख्य योगदान रहा।

सादगी से मनी भगवान परशुराम जयंती

रांची: लोकडाउन को लेकर भगवान परशुराम की जयंती लेक रोड स्थित भाजपा नेता व श्री महावीर मंडल के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा के आवास पर सादगी के साथ मनाई गई। इस मौके पर सुबह भगवान

परशुराम की पूजा-अर्चना आरती की गई। इसके बाद प्रसाद वितरण और मिश्रा परिवार द्वारा जरूरतमंद ब्राह्मणों को कच्चा राशन दिया गया। सभी झारखंडवासियों को परशुराम जयंती की बधाई देते हुए जल्द से जल्द कोरोना संक्रमण से पूरे विश्व को मुक्ति दिलाने की कामना की गई।



कोरोना से जंग / आरपीएफ जवान के कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद हड़कंप, 39 जवान की रिपोर्ट निगेटिव

रांची/घाटशिला। आरपीएफ पोस्ट में पदस्थापित एक जवान के कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद शहर में हड़कंप मच गया है। सड़कों पर लोगों की आवाजाही बंद हो गई है। सुबह लोगों के बीच इस बात को लेकर चर्चा हो रही है कि जवान पॉजिटिव निकला है। शनिवार को भी बैरक के आसपास के इलाकों में सतर्कता बरती जा रही है। साथ ही पुलिस प्रशासन ने लोगों से घरों से न निकलने की अपील भी की है।

जानकारी के मुताबिक, सभी जवान नई दिल्ली से कारतूस तथा हथियार लाने के लिए गए थे। वहां से कोरोना भी साथ ले आए। जवानों की ट्रेवल हिस्ट्री ली गई है। उक्त जवान को जिस कमरे में क्वारंटाइन किया गया था, उसकी भी जांच की गई। उसके बाद एचसीएल के दमकल को बुलाकर रेलवे कॉलोनी तथा स्टेशन परिसर और बैरक को पूरी तरह सैनिटाइज किया गया। इधर, सर्विलांस टीम ने 7 अधिकारी 3 हवलदार सहित 41 जवानों का जांच के लिए सैपल लिया है। इधर, एक एएसआई जिसका कोरोना जांच निगेटिव निकला वह रेलवे कॉलोनी में क्वार्टर में रहता है। उसकी पत्नी तथा दो बच्चों का स्वाब जांच के लिए सैपल लिया गया।



निगमकर्मों व पुलिसकर्मियों का स्वागत



रांची: नामकुम के सदाबहार चौक स्थित निगमकर्मों व चौक-चौराहों पर तैनात पुलिसकर्मियों का समाजसेवी विमल घोष के नेतृत्व में माला पहनाकर स्वागत किया गया। निगमकर्मियों द्वारा नामकुम बाजार, सदाबहार चौक, सिरखाटोली सहित

अन्य जगहों को सैनिटाइज किया गया। इस मौके पर विमल घोष व अशोक महतो ने बताया कि लोकडाउन के दौरान कई जगहों पर गरीब व असमर्थ लोगों को प्रतिदिन भोजन कराया जाता है। उक्त स्थलों को निगमकर्मियों द्वारा सैनिटाइज किया जाता है। श्री घोष ने बताया कि नामकुम बाजार में लगने वाले

सप्ताहिक रविवार व गुरुवार बाजार में पुलिस के नेतृत्व में स्थानीय समाजसेवी के सहयोग से सामाजिक दूरी का विशेष ध्यान दिया जाता है। इस मौके पर निगम के संजय कुमार ठाकुर वार्ड 47 की अर्निता देवी, मुन्नी मिंज, दीपू, रवि मिंज, देवपन दास, निर्मल घोष सहित अन्य कर्मचारियों को मौजूद थे।

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट ने किये सेवा कार्य

रांची: श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा लोकडाउन के बाद से प्रतिदिन जरूरतमंदों की सेवा की जा रही है। इस क्रम में आज निवारणपुर स्थित कुष्ट निवारण कॉलोनी में कच्चा राशन और जरूरत के सामानों का वितरण किया गया। इसके अलावा राजधानी के विभिन्न चौक-चौराहों पर डिग्री पर तैनात पुलिस कर्मियों को आम जुस, शीतल जल,मिक्चर, पेपर शीट, हैंड सैनिटाइजर देकर सेवा कार्य किया गया। इसके अलावा जरूरतमंदों को कच्चा राशन दिया गया। सेवा कार्य में निर्मल जालान, राजु अग्रवाल, पुरणमल सराफ, निरंजन शर्मा, सज्जन पांडेया, प्रेमचंद श्रीवास्तव, पुरणमल सराफ सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।



गौशालाओं की बकाया राशि भुगतान और आर्थिक सहायता देने का आग्रह

रांची: अखिल भारतीय गौशाला संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन बसंत कुमार मिश्रा एवं झारखंड अभ्यास सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष संजय सराफ ने झारखंड के सभी गौशालाओं के खस्ताहाल पर गहरी चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक पत्र प्रेषित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र के माध्यम से झारखंड के सभी गौशालाओं की बकाया राशि के साथ-साथ अतिरिक्त आर्थिक सहायता मुहैया कराने का अनुरोध किया है। बताया गया है कि रांची गौशाला न्यास के तीन शाखाओं में 1100 गौवंश की सेवा हो रही है। झारखंड सरकार की ओर से भी समय-समय पर आवासीय गौवंशियों को पकड़कर गौशाला में भेजा जाता है तथा इनकी भी सेवा होती है। गौवंशियों के पालन पोषण के लिए



राज्य सरकार की ओर से चारे के लिए मिलने वाली राशि भी एक वर्ष से गौशालाओं को नहीं मिली है। कोरोना महामारी के कारण हुए लोकडाउन से गौशालाओं की दयनीय स्थिति में संकट डेल रही है। ये सभी गौशालाएं निरंतर गौवंशों की सेवा में लगी हुई हैं और ऐसा

करके एक तरह से राज्य सरकार के दायित्व निर्वहन में भी सहयोग कर रहा है, किंतु इस समय आर्थिक संकट उनकी सेवा कार्य में बाधित कर रहा है। इसलिए अति शीघ्र सभी गौशालाओं को बकाया भुगतान किया जाए तथा अतिरिक्त आर्थिक सहयोग भी प्रदान की जाए।

दुनिया ने माना भारत का लोहा

कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में तहलका मचा रखा है विश्व के लगभग सभी देश कोरोना काल से गुजर रहे हैं और इस वैश्विक महामारी को रोकने के लिए अपने अपने स्तर पर एहतियाती कदम उठा रहे हैं। 130 करोड़ की आबादी वाले हमारे देश में भी कोरोना वायरस का संक्रमण फैलता जा रहा है लेकिन कोरोना के खिलाफ जंग में भारत की रणनीति का सारी दुनिया लोहा मान रही है। एक अमेरिकी एजेंसी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पहले नंबर पर रखा है। जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लेकर ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देश भारत से बहुत पिछे हैं। यह ठीक है कि भारत में भी कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है जो अब बढ़कर 22,000 से भी ज्यादा हो चुकी है। इसी के साथ कोरोना संक्रमित लोगों की मौत का अंकड़ा भी दिनों दिन बढ़ता जा रहा है लेकिन कोरोना संक्रमित मरीज ठीक भी हो रहे हैं। भारत न सिर्फ कोरोना के खिलाफ जंग लड़ने में आगे है बल्कि वह दुनिया का भी नेतृत्व कर रहा है। आज दुनिया के तमाम शक्तिशाली देश कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए भारत की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं। ~~भारत ने ही अमेरिका~~ ~~सहित दर्जनों देशों को कोरोना संक्रमण~~ मलेरिया की दवाई उपलब्ध कराई है यहाँ नहीं बल्कि हाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहले पर पहले शर्क देशों की बैठक हुई। और उसके बाद जी-20 देशों की भी वीडियॉ कांफ्रेंस के जरिए बैठक हुई जिसमें कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए साझा रणनीति तय की गई। भारत के इस प्रयास की डब्ल्यूएचओ और संयुक्त राष्ट्र ने प्रशंसा की है। अब विल गेरुस ने भी भारतीय पीपुल नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना की है। पूरी दुनिया भारत का लोहा मान रही है लेकिन हमारे जो देश में ऐसे लोग हैं जो सरकार के प्रयासों की आलोचना करने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और वृत्तमूल कांग्रेस सहित कई विपक्षी पार्टीयों इस संवेदनशील मुद्दे पर भी राजनीति कर रही है जो कदाई उचित नहीं है। इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए दलगत भावना से उपर उठकर समवेत प्रयास किया जाना चाहिए।

विचार

कोरोना: कांग्रेस को हुआ क्या है ?



के. वेंकटराव धेंडकर जैसी महान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए शोभा नहीं देता। उनके बयान से ऐसा नहीं लगता कि वे कोरोना-युद्ध में भारत की जनता के साथ हैं, हालाँकि उन्होंने आम लोगों को सरकार द्वारा सहे संसार हजार क. देने की मांग की है। वे कोरोना से लड़ने की बजाय सरकार से लड़ने पर उतारु हो गई हैं। पता नहीं, किसने उनके दिमाग में यह बात भर दी है कि भाजपा कोरोना के संकट को सांप्रदायिक रूप दे रही है। क्या सोनियाजी के पास अपनी बात सिद्ध करने के लिए कोई प्रमाण है ? जससे तबलगीज जमात के निजामुद्दीन-जमावड़े का मामला तुल पकड़ है, मैं कैद बार अपने लेखों में लिख चुका हूँ और टीवी चैनलों पर बोल चुका हूँ कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेताओं ने तबलगीगियों की लापरवाही और मूर्खता को भुनाने की कोई कोशिश नहीं की। उन्होंने मुसलमानों के खिलाफ एक झटक तक नहीं बोला। यों भी आम मुसलमान तो किस्लुत निंदोप है। उसका तबलगीज जमावड़े से क्या लेना-देना ? कुछ गुमराह और नादान मुसलमान गलतफहमी और अपभ्रांति के शिकार होकर डॉक्टरों, नर्सों और पुलिसवालों के साथ मार-पीट और गाली-गलौज जरूर कर रहे हैं लेकिन सरकार और भाजपा नेताओं ने बार-बार कहा है कि इस मामले को सांप्रदायिक रूप देना उचित नहीं है। ऐसी नानादी कोई भी कर सकता है जैसे कि महाराष्ट्र के पालघर में दो हिंदू साधुओं और एक ड्राइवर की भीड़ ने हत्या कर दी। क्या वह भीड़ मुसलमानों की थी ? नहीं, वह गुमराह हिंदुओं की थी। भाजपा पर सांप्रदायिकता का आरोप लगाकर सोनिया गांधी ने अपना और अपनी पार्टी का ही नुकसान किया। देश के बहुसंख्यक लोग और समझदार मुसलमान लोग काग्रेस के खेप पर हैरान हैं। इस समय हमें एकजुट होकर इस कोरोना श्वास से लड़ना है या वोट बैंक की राजनीति करना है ? भाजपा सरकार ने डाक्टरों पर हमला करनेवालों के खिलाफ कोई सख्त आग्रहदेश जारी किया है, क्या वह सिर्फ मुसलमानों के खिलाफ है ? वह हर नागरिक पर लागू होगा, वह हिंदू से या मुसलमान ? स्वयं नरेंद्र मोदी ने कल टीवीट किया था कि कोरोना न जाति, न मजहब, न हैसियत का भेद करता है लेकिन काग्रेस पार्टी क्या जितनी निराशा में डूब गई है कि वह मजहबी राजनीति पर आ टिकी है ? कोरोना के जांच-यंत्रों की कमी और आर्थिक-संकट आदि पर काग्रेस के सुझाव उचित हैं लेकिन काग्रेस अध्यक्ष का क्या यह कर्तव्य नहीं बनता कि वे अपने लाखों कार्यकर्ताओं को गरीबों की सेवा में जुटा दें। माना कि सोनियाजी वयोवृद्ध हैं लेकिन राहुल को क्या हुआ है ? घर में बैकैर और आम फरकर-परिपद कर रहे हैं। मैदान में निकलकर लोगों की सेवा वकई नहीं कर सकते।



अशोक चतुर्वेदी

लोगों को महसूस
 है तब कि तुने हुए प्रतिनिधि
 न सवै, सरकार के स्तर पर तो
 सब को राय लेकर चुनौती का
 सामना किया जा रहा है। लेकिन
 डाउन रहे या सुने,
 जनप्रतिनिधियों को अपनी
 जवाबदेही निभानी ही होगी।
 इसको पूरा करने के लिए
 संसद और देश के विधान
 मंडलों को, सरकार को
 संसदीय समितियों को फैलाने
 सक्रिय लेने की जरूरत है।
 कई दिनों या देश की
 राजधानियों में आमजन
 बहिर्गमन से हुए भी इन
 समितियों के समक्ष, अक्सर
 की इजाजत से ऐसा बहिर्गमन
 ऑनलाइन अवॉयस कर
 सकते हैं। जिस मुख्यमन्त्री
 पर उलझने और पूर्ण तरह
 मुकम्मल चौकीय कॉन्फ्रेंसिंग
 सुविधा का उपयोग करते जा
 वह काम आसानी से किया जा
 सकता है।



रमेश सराफ

अंग्रेज सरकार के तत्ताम प्रयासों के बावजूद देश में बाल विवाह जैसी मुद्दा पर अन्त नहीं आया था इस हेतु, तो इस असमाधान के प्रति समाज बड़ चारा है इसके प्रति समाज में जनश्रद्धा का विकास होना चाहिये। जब तक समाज में बाल विवाह रोज़नी के प्रति जनश्रद्धा नहीं आती तब तक यह पूर्णतः खत्म नहीं हो सकेगा। देश में बाल विवाह जैसी मुद्दा को गूँस से खत्म करने हेतु इसकी प्रति समाज को होना चाहिये।

अंग्रेज लोग सैन्य बल का उपयोग के पोषण, स्वास्थ्य सुव्या और शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करना सैन्य समाज में अंग्रेजों को बाध्य होना होता। अंग्रेजों को बाल विवाह के दुष्प्रतिष्ठानों के प्रति जनश्रद्धा होना। समाज में अंग्रेजों को बाल विवाह के विरोध में जागृत या बदलाव से प्राप्त करना होता।

बाल विवाह से शिक्षण समाज में जोरदार अभियान चलाना सैन्य

कोविड-19 और संसदीय संस्थाएं

सृष्टि में सब कुछ सांगोपांग है। सनातन विचार से न सिर्फ संसार के सभी प्राणी बल्कि उन्हें चलाने वाली व्यवस्थाएं भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। गांधी और



अधिकारी सम्मेलन में उठाया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री को यह प्रस्ताव इतना अच्छा लगा कि आगे जाकर सी नेट के जरिए संसद ग्रंथागार से मध्य प्रदेश के

पर देखते हैं वह कह सकते हैं कि बस चंद महीनों की बात है। उन्हें लगता होगा कि दीगर बीमारियों की तरह इसका इलाज कुछ लिखा जाएगा, टीका विकसित होगा या बचे हुए लोगों में प्रतिरोधक क्षमता पैदा हो जाएगी। इन उम्मीदों के सच होने पर भी कोविड-19 के सबक मानना तो सीखने होंगे। मसलन शासन व्यवस्था बदलेगी, जनप्रतिनिधियों और सरकार चलाने वाले लोगों से उम्मीदें नए सिरे से परवान चढ़ेंगी। भाषण वीर नेताओं को अब संसद और विधानसभाओं में अधिक कुशल, संयत और नतीजे देने वाले नीति निर्धारकों की तरह पेश आना पड़ेगा। हमारे देश में संसद और विधान मंडलों की इंटरनेट के जरिए जोड़ने की शुरुआत स्वर्गीय राजीव गांधी के प्रधानमंत्री रहते ही हो गई थी। मुझे याद है मध्यप्रदेश के तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ला की पहल पर यह विषय उन दिनों अखिल भारतीय पीठासीन

संसदों की जगह कहीं जाने वाली घोर परंपरावादी हाउस ऑफ़ कॉमन्स ने 22 अप्रैल को दूर संपर्क के जरिए अपनी पहली बैठक की है। प्रधानमंत्री का प्रश्नकाल नई शैली में होते हुए देखना एक सुखद अनुभव था। न कोई शोर न व्यवधान, प्रधानमंत्री की ओर से भार साधक मंत्री ने जवाब दिए। सदन में कोरम के लिए जरूरी सदस्य संख्या मौजूद थी। अध्यक्ष, सदन के क्लर्क और सदस्य गण अपेक्षित भौतिक दूरियां बनाकर सैनिटाइज किए माहौल में बैठे हुए थे। पूरी गंभीरता और तल्लीनता के माहौल में बाकी सदस्य अपने अपने या दफतर से इस दलील बैठक में जुड़े हुए थे। स्क्रीन पर नाम सही उनके परिचय प्रदर्शित हो रहे थे, सदन की कार्यवाही का रिकॉर्ड रखा जा रहा था। अधिकारीगण भी इसी तरह जुड़ कर अपनी-अपनी भूमिका निभा रहे थे। कॉमन्स की इस ऐतिहासिक बैठक ने संसदीय विमर्श का एक बेहतर विकल्प पेश किया।

विधानसभा सचिवालय को जुड़ने का मौका भी मिला। इसी साल मध्यप्रदेश की विधानसभा की कार्यवाही को रेडियो से प्रसारित करने का उपक्रम हुआ। यह देश का

पहले विधानमंडल था जिसने अपनी कार्यवाही को रियल टाइम प्रसारित करके विधानसभा के दरवाजे सबके लिए खोल दिए थे। समय के साथ बदलकर, नई तकनीक को अपनाकर और ज्यादा संवेदनशील बनकर ही नई चुनौतियाँ सामना किया जा सकता है इसी सिलसिले में छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में ऑनलाइन मंत्रिपरिषद् की बैठक रखकर एक कीर्तिमान रचा था। इसके बाद प्रधानमंत्री जी ने पिछले दिनों देश के मुख्यमंत्रियों के साथ दूर संबंधों विधि से लाक डाउन जैसे महत्वपूर्ण मसलें पर विचार विमर्श किया। इन कोशिशों से देश में सकारात्मक माहौल बना है। लोगों को महसूस हो रहा है कि चुने हुए प्रतिनिधि न सही, सरकार के स्तर पर तो सब की राय लेकर चुनौती का सामना किया जा रहा है। लोक डाउन रहे या खुले, जनप्रतिनिधियों को अपनी जवाबदेही निभानी ही होगी। इसको पूरा करने के लिए संसद और देश के विधान मंडलों को खासतौर पर संसदीय समितियों को फैन सक्रिय होने की जरूरत है। नई दिल्ली या देश की राजधानियों में आवगमन बाधित होते हुए भी इन समितियों के समभाषित, अध्यक्ष की इजाजत से ऐसी बैठकें ऑनलाइन आयोजित कर सकते हैं। जिला मुख्यालय पर उपस्थित और पूरी तरह मुकम्मल वीडियो कॉन्फ्रेंस सुविधा का उपयोग करते हुए या कम आसानी से किया जा सकता है। जिन रायों में लोक खुलता जा रहा है वहां भी कामकाज में अपेक्षित तेजी लाई जा सकती है। इस चुनौती का सामना सबके सहयोग, खासतौर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों की अतिरिक्त भागीदारी से ही किया जा सकता है। जरूरत है संकल्प शक्ति और नवाचार दिखाने की।

देश में कब रुकेंगे बाल विवाह?

देश में अश्वयुतीया (आषाढ तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। कोरोना संकट को लेकर देश में चल रहे लाकड़ान के कारण हर जगह पुलिस प्रशासन की व्यवस्था चाक-चाँदबंद होने के चलते इस बार अश्वयुतीया पर बाल विवाह होने की संभावना बहुत ही कम रहेगी। इस बार अश्वयुतीया पर कहीं बाल विवाह होते भी हैं तो वह बहुत ही कम संख्या में होंगे। आज के युग में बाल विवाह एक नासुर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उच्च स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह ऐकने के लिए हर बार की तरह इस बार भी प्रशासनिक स्तर पर कटौती रुम बनाए गए हैं। मगर कटौती रुम कितने सफल रहेंगे? ऐसे इस बात का सभी को पता है। इस बार वैश्विक आपदा कोरोना के चलते देश भर में अपनाए जा रहे सोशल डिस्टेंसिंग का प्रचार पूरे देश में हो रहा है। देश की अधिकांश जनता इसका पालन भी कर रही है। ऐसे में यदि कई बाल विवाह होता है तो उसकी सूचना सरकार के पास पहुँचने का समाधान न्यादा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह वोटों बचावो वोटों पट्टाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में आज प्रायः सभी बैठियाँ शिफारिश हो रही है। ऐसे में समाज की आँख आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रूकवाने के प्रयास करने होंगे। आजकल कई लड़कियाँ खुद भी आँख आकर अपना बाल विवाह रूकवाने का प्रयास करने लगी हैं। गत वर्ष द्वाधरस में पुलिस ने 36 साल के दूल्हे से हो रही 14 साल की नान्वालि लड़की को शादी को रूकवा दी। स्थानीय लोगों की शिकायत पर पुलिस ने यह कदम उठाया। दरअसल लड़की भी अपने बड़े उम्र के लड़के से शादी को राजी नहीं थे। घरवाले उसकी शादी जबरदस्ती करवा रहे थे। लड़की ने जब शादी से इनकार किया तो बस्ती के लोग भी उसके साथ हो गए और मामले की जानकारी पुलिस को दे दी। मौके पर बाजुल से इस शादी को रूकवा दिया। तमाम प्रयासों के बावजूद हमारे देश में



के बावजूद हर सात सेकेंड में एक नवजाति बेटी की अपने से दोगुने उम्र के व्यक्ति के साथ जबरदस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है जो आज भी दुनिया के कई कोनों में फल-फूल रहा है। यह जीवन का एक कड़वा सच है कि आज भी छोटे-छोटे बच्चे इस प्रथा की भेंट चढ़े जा रहे हैं। भारत में ही नवंबर २०१६ में दुनिया के कई हिस्सों में बच्चे बाल-विवाह के बंधन में पड़े बांध दिए जाते हैं। भारत में यह प्रथा लम्बे समय से चली आ रही है जिसके तहत छोटे बच्चों का विवाह कर दिया जाता है। आश्रय की बात तो यह है कि आज के पढ़े लिखे समाज में भी यह प्रथा अपना स्थान बनाए हुए है। जो बच्चे अभी खुद को भी अच्छे से नहीं समझते, जिन्हें जिन्दगी का कड़वी सच्चाईयाँ का कोई ज्ञान नहीं, जिसकी उम्र अभी पढ़ने लिखने की होती है उन्हें बाल विवाह के बंधन में बांधकर वहाँ उनका जीवन बर्बाद कर दिया जाता है। यूनिसेफ़द्वारा जारी की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत में कई क्षेत्रों में अब भी बाल विवाह हो रहा है। इसमें कहा गया है कि पिछले कुछ दशकों के दौरान भारत में बाल

विवाह की दर में कमी आई है लेकिन बिहार, बंगाल और राजस्थान में यह प्रथा अब भी जारी है। रिपोर्ट के अनुसार,

बिहार, बंगाल और राजस्थान में बाल विवाह की यह कृत्रिम आंदोलन समुदायों और अनुसूचित जातियों सहित कुछ विशेष जातियों के बीच प्रचलित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बालिका शिक्षा की दर में सुधार किशोरियों के कल्याण के लिये सरकार द्वारा किये गए निवेश व कल्याणकारी कार्यक्रम और इस कृत्रिम के खिलाफ सार्वजनिक रूप से प्रभावी संदेश देने जैसे कदमों के चलते बाल विवाह की दर में कमी देखने को मिली है। रिपोर्ट के अनुसार 2005-2006 में जहाँ 47 फीसदी लड़कियों की शादी 18 साल की आयु से पहले हो गई थी वहीं 2015-2016 में यह आंकड़ा 27 फीसदी था। यूनिसेफ के अनुसार अन्य सभी राज्यों में बाल विवाह की दर में गिरावट देखी जाने की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है किंतु कुछ जिलों में बाल विवाह का प्रचलन अब भी उच्च स्तर पर बना हुआ है। हमारे देश में 47 फीसदी बालिकाओं की शादी 18 वर्ष से कम उम्र में कर दी जाती है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 22 फीसदी बालिकाएं 18 वर्ष से पहले भी बंन जाती हैं।

यह रिपोर्ट हमारे सामाजिक जीवन के उस स्थल पर लक्ष्य करे और इसागर करती है। जिस अन्तर हम रीति-रिवाज व परम्परा के नाम पर अनेकवार देखें। भारत में 15-18 साल तक की किशोरियों के बल विवाह अधिक होते हैं। कम उम्र में शादी के कारण लड़कियों के जल्दी गर्भवती होने से माँ व बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ता है। देश में बल विवाह के खिलाफकानूनन बने हैं और सम्य-सम्य पर उभरें संशोधन कर उसे ओर प्रभावशाली बनाया गया है। फिर भी लगातार बल विवाह हो रहे हैं। साथ ही संस्कार के विभिन्न रोजगार के कार्यक्रम भी चलाने होंगे ताकि गर्भवत परिवार गरीबी की जकड़ से मुक्त हो सकें और इन परिवारों की बर्चिय्या बाल विवाह का निशाना न बन पाएँ। बाल विवाह एक सामाजिक समस्या है। सिर्फ कानून के भरोसे बाल विवाह जैसी कुप्रथा की नती रोकना जा सकता है। इसका निदान सामाजिक जागरुकता से ही सम्भव हो पायेगा।

बिहार

रमजान / लॉकडाउन का पालन करें, नमाज और तरावीह घर पर ही अदा करें



पटना। बिहार समेत देश के कई हिस्सों में शुक्रवार की शाम चांद देखा गया। इसलिए 25 अप्रैल यानी शनिवार से मुबारक महीना रमजान शुरू होगा। स्मारत-ए-शरीफ के कार्यवाहक नाजिम मालीना शिबली अलकासमी ने कहा कि इस बार रमजान का मुबारक महीना लॉकडाउन में शुरू हो रहा है। इसलिए इस मुबारक माह में लॉकडाउन का पालन करें। इस माह का रोजा हर बालिग सहेतमदद पर और औरत पर फर्ज है।

रोजा रखें पर लॉकडाउन और कोरोना के बढ़ते खतरे को कम करने के लिए घर पर ही पांचों वक्त की नमाज, कुरआन की तिलावत और तरावीह की नमाज अदा करें। घर पर ही नमाज अदा करने के दौरान परिवार से दूरी बनाकर रहें। उन्होंने कहा कि मस्जिद में केवल मोअज्जिन, पेरेडखामा और मस्जिद के कर्मी नमाज अदा करें। जुमा की नमाज पढ़ने भी मस्जिद न जाएं। सरकार व प्रशासन के आदेश को मानें। डॉक्टर व मेडिकल स्टाफ की सलाह को नजरअंदाज न करें। किसी हाल में रमजान में कहीं भीड़-भाड़ न लगाएं।

इस माह में जन्नत के दरवाजे खोल दिए जाते हैं

मौलाना शिबली फरमाते हैं इस माह की अहमियत इसलिए सबसे ज्यादा है कि इसी महीने में अल्लाह तआला ने पैगम्बर मोहम्मद (सल.) पर कुरआन नाजिल (उतारा) किया। पिछले 1439 वर्षों से अधिक समय से मुसलमान भाई रोजा रखते आ रहे हैं। इस माह में जन्नत के दरवाजे खोल दिए जाते हैं और शैतानों को पूरे माह कैद कर दिया जाता है।

कोरोना से निजात के लिए सभी दुआ करें
मौलाना ने कहा कि रोजेदार का दुआ दो वक्त कबूल होती है। एक इफ्तार के वक्त दूसरा सेहरी के वक्त। उन्होंने लोगों से अपील की है कि इन दोनों वक्तों में कोरोना वायरस से निजात पाने की दुआ करें। बिहार, देश और पूरी दुनिया इस महामारी से परेशान है। अल्लह सबको अपनी हिफाजत में रखे। यह महीना गुनाहों को माफ करने का है। एक नफिल नमाज का सवाब फर्ज की नमाज के बराबर मिलता है।

पटना। महिलाएं 30 जून तक जनधन के निष्क्रिय खातों से भी केन्द्र सरकार द्वारा मार्च, अप्रैल और मई महीने में प्रति खाते 500-500 की दर से भेजी गई कोरोना राहत की राशि की निकासी कर सकेंगी। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने दी।

उन्होंने कहा कि बिहार की 2 करोड़ 33 लाख महिलाओं के जनधन खाते में पहली किस्त के तौर पर 1165 करोड़ की राशि भेजी जा चुकी है। जनधन खाता शुन्य बैलेंस पर खोला गया है। सभी खाताधारकों के 2 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा, रुपे कार्ड और बिना किसी बंधक के 10 हजार रुपए तक कर्ज लेने की सुविधा भी दी गयी है।

मादी ने कहा कि बैंक की शाखाओं व ग्राहक सेवा केन्द्रों को केन्द्र सरकार व आरबीआई ने निर्णय व बिना केवाईसी वाले खातों से भी 30 जून तक राशि की निकासी की छूट देना को निर्देश दिया है। बिहार की करीब 60 प्रतिशत जनघन खाताधारक महिलाओं ने पहली किस्त की राशि की निकासी कर ली है। उपमुख्यमंत्री ने शेष बची 40 प्रतिशत महिलाओं से अपील है कि वे अपनी सुविधानुसार अपने खातों राशि निकाल सकती हैं।



कोरोना लॉकडाउन के दौरान यूएस का वीडियो कॉलिंग एप Zoom काफी तेजी से पॉप्युलर हुआ है। बड़ी संख्या में लोग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और स्टूडेंट्स ऑनलाइन वलासेस के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, गूगल का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टूल Google Meet भी जूम एप को टक्कर देने की पूरी कोशिश कर रहा है। यही वजह है कि कंपनी ने गूगल मीट में जूम एप जैसा ले-आउट, लो-लाइट मोड और नॉइस फैसिलेशन जैसे कई नए फीचर्स जोड़ दिए हैं। तो आइए जानते हैं किस तरह जूम एप को टक्कर दे रहा गूगल मीट-

Google Meet में कई धांसू फीचर्स, यू Zoom एप को दे रहा टक्कर

ऐसे बढ़ रहा यूजर बेस

दोनों ही एप्स के यूजर बेस में पिछले दिनों काफी बढ़ोतरी हुई है। जनवरी से गूगल मीट का इस्तेमाल 25 फीसदी बढ़ गया है। वहीं दिसंबर 2019 में 1 करोड़ यूजर वाले जूम एप के अप्रैल 2020 में 30 करोड़ यूजर्स हो गए। हालांकि पिछले दिनों जूम एप पर डेटा लीक के आरोप भी लगे हैं। भारत सरकार ने भी कहा है कि जूम एप को इस्तेमाल करना सेफ नहीं है। ऐसे में Google Meet को जूम एप को टक्कर देने का मौका मिल गया है।

100 लोग कर सकते हैं वीडियो कॉलिंग

कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान जूम एप में एकसाथ सिर्फ 49 यूजर्स जोड़े जा सकते हैं। वहीं गूगल मीट में एक साथ 100 लोग ग्रुप कॉलिंग कर सकते हैं। इसके अलावा गूगल ने जूम ऐप जैसा ले-आउट भी जारी किया है, जिसमें एक बार में 16 लोग स्क्रीन पर दिखाई देते हैं।

बेहतर वीडियो-क्वालिटी

गूगल मीट लगातार अपनी वीडियो क्वालिटी को इंप्रूव कर रहा है। वहीं जूम एप अपने सिक्वॉरिटी फीचर्स ठीक



करने में लगा है। गूगल मीट में नॉइस फैसिलेशन का फीचर भी आ गया है। यह बोलने वाले और सुनने वाले दोनों तरफ के शोर को कम करता है।

लो-लाइट मोड

गूगल मीट में लो-लाइट मोड भी आ गया है। यह कम रोशनी में विजिलिबिलिटी को बेहतर बनाता है। फिलहाल यह फीचर सिर्फ मोबाइल यूजर को मिला है। इसे जल्द ही वेब यूजर्स के लिए भी जारी किया जाएगा। वहीं, नए अपडेट के

बाद अब सीधे जीमेल से ही यूजर्स गूगल मीट का इस्तेमाल कर पाएंगे।

Zoom एप में भी आ रहे ये धांसू फीचर, जारें क्या है खास

कोरोना वायरस के चलते हुए लॉकडाउन में सबसे ज्यादा फायदा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एप जूम को हुआ है। कई विवादों में घिरने के बाद भी इस एप की पॉप्युलैरिटी बढ़ती जा रही है। अगर आप भी आजकल जूम एप का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो आपको यहां इस

ऐप के कुछ नए फीचर्स के बारे में बता रहे हैं। जूम एप के ये फीचर आपके एक्सपीरियंस को और बेहतर बना देंगे।

मीटिंग डेटा होगा सिक्वॉर

एक नए ब्लॉग पोस्ट के मुताबिक जूम AES-256 Bit GCM एन्क्रिप्शन स्टैंडर्ड पर अपग्रेड होने वाला है। इससे यूजर्स का मीटिंग डेटा पहले से काफी ज्यादा सेफ हो जाएगा। उम्मीद है कि यह अपग्रेडेशन अगले हफ्ते पूरा हो जाएगा।

आसानी से ऐक्सेस होने

सिक्वॉरिटी फीचर

सिक्वॉरिटी फीचर्स तक आसानी से पहुंचने के लिए कंपनी ने मीटिंग बार मेन्यू में सिक्वॉरिटी आइकन उपलब्ध करा दिया है।

कठिन पासवर्ड्स के बड़ेगी सिक्वॉरिटी

क्लाउड रिकॉर्डिंग्स का इस्तेमाल करने वाले यूजर्स के लिए कंपनी ने कॉम्प्लेक्स पास वर्ड्स की शुरुआत की है।

मीटिंग आईडी शेयरिंग में

हुआ बदलाव

कंपनी ने जूम इंटरफेस से मीटिंग आईडी और इन्वाइट ऑप्शन को हटा

दिया है। अब इन ऑप्शन को पार्टिसिपेंट्स मेन्यू में देखा जा सकता है। इस बदलाव के कारण यूजर्स गलती से भी अपनी मीटिंग आईडी को शेयर नहीं कर पाएंगे।

कंपनियों के लिए मीटिंग और चैट्स का नया फीचर

जूम के नए वर्जन से कंपनियों को अलग-अलग अकाउंट्स के कॉन्टेक्ट्स को लिंक करने की सहूलियत मिलेगी। इसके जरिए यूजर मीटिंग, चैट और फोन कॉन्टेक्ट्स को बेहतर सेफ्टी के साथ सच कर सकेंगे।

अनचाहे यूजर्स को रिपोर्ट करना हुआ आसान

जूम के नए वर्जन में गलत यूजर को सिक्वॉरिटी आइकन से रिपोर्ट किया जा सकेगा। इसके साथ ही अब मेंबर्स खुद को रीनेम भी नहीं कर पाएंगे।

जूम डैशबोर्ड में नए फीचर्स की एंट्री

कंपनी ने कहा है कि अब एडमिन जूम डैशबोर्ड बोर्ड से जरिए यह देख सकेंगे कि कैसे उनकी मीटिंग जूम डेटा सेंटर से कनेक्ट है।

चैट नोटिफिकेशन को बेहतर ढंग से करें मैनेज

जूम यूजर्स को अब चैट नोटिफिकेशन्स में चैट्स की बातें नहीं दिखेंगी।

30 करोड़ से ज्यादा यूजर्स

प्रिवेसी और सिक्वॉरिटी मसलों के बावजूद जूम एप के यूजर्स में तेजी से इजाफा हुआ है। 21 अप्रैल को 30 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने इस एप का इस्तेमाल किया।



फोन पर आने वाले नोटिफिकेशंस से परेशान हैं? ऐसे पाएं छुटकारा

स्मार्टफोन्स में अब कॉलिंग, टेक्स्टिंग, शेड्यूल क्रिएट करने और कोई नोट सेव करने जैसे ढेरों काम यूजर्स करते हैं। एंड्रॉयड स्मार्टफोन्स में मिलने वाले ढेर सारे स्टोरेज स्पेस के चलते ढेरों एप्स इंस्टॉल किए जा सकते हैं। गूगल प्ले स्टोर से ढेरों एप्स तो इंस्टॉल किए जा सकते हैं, लेकिन इनके नोटिफिकेशंस से यूजर्स को अक्सर परेशान होते देखा गया है। खास बात यह है कि अब ज्यादातर एप्स के नोटिफिकेशंस नोटिव एपीआई के हिसाब से स्ट्रीमलाइन किए जा सकते हैं। किसी एप का ऑडियो-विजुअल बिहेवियर भी बदला जा सकता है, लेकिन बहुत कम यूजर्स जानते हैं कि इसे कैसे इस्तेमाल करना है। इस तरह नोटिफिकेशन चैनल सिर्फ वॉट्सएप के लिए ही नहीं, बाकी एप्स के लिए भी मैनेज किया जा सकता है।

सेटिंग्स में मिलता है ऑप्शन

नोटिफिकेशन फीचर एंड्रॉयड 8 ओरियो और इसके बाद वाले ओएस में मिलता है। यूजर्स सभी एप्स के लिए एक ही जगह से नोटिफिकेशंस को मैनेज कर सकें, इसलिए एंड्रॉयड सेटिंग्स में यह पार्ट भी ऐड किया गया है। दरअसल, वॉट्सएप और ऐसे सभी एप्स के नोटिफिकेशंस इसकी मदद से कंट्रोल किए जा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको एंड्रॉयड स्मार्टफोन का एप ड्रॉर ओपन करना होगा और एप की सेटिंग्स में जाना होगा। सेटिंग्स में नोटिफिकेशंस का ऑप्शन आपको दिख जाएगा। इस पर टैप करने के बाद आप नोटिफिकेशन चैनल्स को क्रिएट और मैनेज कर सकेंगे।

ऐसे पाएं नोटिफिकेशंस पर फुल कंट्रोल

नोटिफिकेशन सेटिंग्स में आपको फेलियर नोटिफिकेशंस, मेसेज नोटिफिकेशंस, क्रिटिकल एप अलर्ट्स, मीडिया प्लेबैक, ग्रुप नोटिफिकेशंस और अदर्स जैसे ऑप्शंस दिखेंगे। आप जिस नोटिफिकेशन को एडिट करना चाहते हैं, उस पर टैप करें और अपनी जरूरत के हिसाब से सेटिंग्स को चेंज कर लें। आप हाइड एप बार से भी ऐसा कर सकते हैं। अलग-अलग ऑडियो टोन्स सेट करने के लिए आपको साउंड पर टैप करना होगा। आप इसी पैनल से लॉक-स्क्रीन नोटिफिकेशंस भी इनेबल कर सकते हैं। इस तरह वॉट्सएप के नोटिफिकेशंस कस्टमाइज किए जा सकते हैं और इन पर फुल कंट्रोल मिलता है।

फोन और कंप्यूटर पर दो क्लिक से पाएं हिंदी टाइपिंग

फोन या कंप्यूटर पर हिंदी भाषा में टाइप करने के लिए ऑनलाइन दुनिया में कई एप्लीकेशन और सॉफ्टवेयर मौजूद हैं। कई लोग हिंदी में टाइप करने के लिए बड़े साइज के एप डाउनलोड कर लेते हैं, जो काफी अधिक मात्रा में फोन की इंटरनल मेमोरी का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि कंप्यूटर और फोन में पहले से ही हिंदी की-बोर्ड का फीचर इनबिल्ट है। बस इसे सेटिंग्स में जाकर ऑन करने की जरूरत होती है।

स्मार्टफोन में पाएं हिंदी की-बोर्ड

गूगल के एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाले अधिकतर फोन में गूगल की-बोर्ड पहले ही इंस्टॉल रहता है और इसी की-बोर्ड में हिंदी की-बोर्ड भी इनबिल्ट होता है। इस एप में इसके अलावा भी विश्व की कई भाषाएं शामिल हैं। इसके बावजूद कई यूजर हिंदी टाइपिंग के लिए अलग-अलग एप्लीकेशन को फोन में इंस्टॉल करते हैं।

ऐसे एक्टिवेट करें फोन में हिंदी टाइपिंग

इसके लिए सबसे पहले जिस फोन में हिंदी टाइपिंग करना चाहते हैं, उसमें कोई मैसेज खोलें। इसके बाद जो टाइपिंग का विकल्प दिया गया है, जिसमें की-बोर्ड के ऊपर या नीचे की तरफ एक ग्लोब का आइकन दिया होगा, उस पर क्लिक कर दें। इस पर क्लिक करते ही फोन स्क्रीन पर हिंदी समेत कई विकल्प आ जाएंगे, उनमें हिंदी का चुनाव करें। ऐसा करने के बाद यूजर हिंदी टाइपिंग का लुप्त उठा सकते हैं। हिंदी से दोबारा अंग्रेजी करने के लिए इसी प्रक्रिया का पालन कर सकते हैं।

ग्लोब का आइकन न आने पर

जी-बोर्ड बदलने के लिए अगर फोन में ग्लोब का आइकन नहीं आ रहा है तो सेटिंग में जाएं, उसमें मौजूद ‘लैंग्वेज एंड इनपुट’ (Language & Input) के विकल्प पर क्लिक करें। इसमें आपको की-बोर्ड और इनपुट मेथेड (Keyboard & Input method) के नीचे ‘डिफॉल्ट’ लिखा दिखाई देगा। ‘डिफॉल्ट’ में उस एप का नाम आएगा, जो आपके फोन में वर्तमान समय में काम कर रहा है। हिंदी की-बोर्ड का फीचर एक्टिवेट करने के लिए याद रहे कि डिफॉल्ट में गूगल की-बोर्ड सेट हो। डिफॉल्ट के नीचे गूगल की-बोर्ड (Google keyboard) दिखाई देगा। उस विकल्प के दाईं ओर टच करने पर एक नई डिस्ले खुलेगी, जिसके ऊपर गूगल की-बोर्ड सेटिंग (Google keyboard Setting) लिखा मिलेगा। इसके बाद ‘लैंग्वेज’ वाले बॉक्स पर क्लिक करते ही एक बॉक्स खुलेगा। पहले बॉक्स में ‘मार्क’



लगा हुआ दिखाई देगा, मगर उस बॉक्स से मार्क हटा दें। ऐसा करने से आपकी डिस्ले पर विश्व की अधिकतर भाषाओं का विकल्प दिखने लगेगा। हिंदी की-बोर्ड को चालू करने के लिए नीचे की तरफ जाने पर हिंदी (Hindi) का विकल्प दिखेगा, उसके दाईं ओर दिए गए बॉक्स पर क्लिक करें। इसके साथ ही अंग्रेजी (भारत) वाले बॉक्स पर क्लिक रहने दें, ताकि आप हिंदी और अंग्रेजी टाइपिंग का इस्तेमाल कर सकें। इसके बाद फोन के की-बोर्ड में हिंदी और अंग्रेजी दोनों विकल्प आ जाएंगे।

विंडोज 7 में ऐसे चालू करें हिंदी टाइपिंग

विंडोज में हिंदी की-बोर्ड को ऑन करने के लिए यूजर को पहले कंप्यूटर या लैपटॉप के ‘कंप्यूटर पैनल’ में जाना होगा। कंप्यूटर पैनल में जाने के लिए डिस्ले में बाईं ओर स्टार्ट का विकल्प पर क्लिक करें। इससे जो नया मेन्यू बार खुलेगा, उसमें काली पट्टी के अंदर

आसान है की-बोर्ड को हिंदी-अंग्रेजी में बदलना

माइक्रोसॉफ्ट के इस इनबिल्ट की-बोर्ड का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसे बड़ी ही आसानी से हिंदी और अंग्रेजी में बदला जा सकता है। इसके लिए आपको बस Shift+Alt बटन को एक साथ दबाना होता है। उदाहरण के तौर पर अगर आप हिंदी टाइपिंग कर रहे हैं तो Shift+Alt को दबाकर की-बोर्ड को अंग्रेजी में बदल सकते हैं। वहीं अगर आप अंग्रेजी में टाइपिंग कर रहे हैं तो Shift+Alt को दबाने से हिंदी में टाइपिंग शुरू कर कर सकते हैं।



वॉट्सएप बिना खोले जानें कौन-कब है ऑनलाइन

अक्सर ऐसा होता है कि वॉट्सएप पर हम जिसे मैसेज कर रहे होते हैं, वह ऑनलाइन नहीं होता। कई बार हम उनके ऑनलाइन आने का इंतजार भी करते हैं। वहीं, कई बार ऐसी

स्थिति भी आ जाती है जब हम किसी को ऑनलाइन चेक करना चाहते हैं, लेकिन खुद ऑनलाइन नहीं दिखना चाहते ऐसे में हमारी एक ट्रिक आपके लिए बड़े काम की साबित हो सकती है। यहां हम आपको ऐसे तरीके के बारे में बता रहे हैं, जिसके जरिए आप बिना वॉट्सएप खोले ही जान सकते हैं कि कौन ऑनलाइन है। इस ट्रिक के जरिए आपके द्वारा बताया गया कॉन्टेक्ट जब भी ऑनलाइन आएगा, आपको नोटिफिकेशन मिल जाएगा।

जूम एप को टक्कर देने आ रहा देसी ‘से-नमस्ते’

ऐसे करें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग



वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की दुनिया में ‘जूम’ को टक्कर देने एक और नया एप आ रहा है। मुंबई की वेब ऐप्लिकेशन और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट कंपनी ‘इन्क्रटर’ ने ‘से-नमस्ते’ नाम का नया एप पेश किया है, जो ‘जूम’ की तरह ही मुफ्त में ‘मीटिंग लिंक’ बनाने और उसे अन्य सदस्यों के साथ साझा कर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करने की सुविधा देता है। गूगल प्ले और आईओएस स्टोर पर यह एप इस सप्ताहांत तक उपलब्ध करा दिया जाएगा। ‘से-नमस्ते’ पर एक साथ कितने लोगों से ग्रुप वीडियो कॉल की जा सकेगी, फिलहाल इसका खुलासा नहीं हुआ है।

हैकर्स का आसान हथियार जूम

■ जूम अमेरिकी वीडियो कॉल एप है, जो सक्रमण की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन में ‘वर्क फ्रॉम होम’ में बड़े पैमाने पर प्रयोग हो रहा था।

■ निजता-सुरक्षा जैसी चिंताओं पर देश में सरकारी कामकाज में प्रयोग पर रोक लगी, गूगल, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक जैसे संस्थानों ने भी बैन किया।

सरकार ने नहीं किया निर्माण

कंपनी ने स्पष्ट किया कि ‘से-नमस्ते’ के निर्माण में सरकार की कोई भूमिका नहीं है। वह इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के ‘इनोवेशन चैलेंज’ में जरूर हिस्सा लेगी, जिसके तहत विजेता स्टार्टअप को उत्पाद के आधिकारिक इस्तेमाल की पेशकश करने के लिए एक करोड़ का इनाम दिया जाएगा।

निर्माताओं को लंबा अनुभव

इन्क्रटर के सीईओ और सह-संस्थापक अनुज गर्ग पहले कॉमेंटचैट नाम का बेहद सफल चैट एप बना चुके हैं, जो कई सुविधाएं देता है।

कनेक्टिविटी में दिक्कत संभव

निर्माताओं ने साफ किया है कि ‘से-नमस्ते’ का बीटा संस्करण लॉन्च किया गया है। ऐसे में संभव है कि यूजर को कनेक्टिविटी से जुड़ी समस्याओं से जूझना पड़े। कुछ मामलों में सुरक्षा संबंधी समस्याएं भी उभर सकती हैं। एनक्रिप्शन टूल और क्रिप्टोग्राफी-की के जरिए इसे साइबर हमले से सुरक्षित बनाने की कवायदें तेज हैं।

सिर्फ ऑडियो कॉल भी मुमकिन

मोबाइल एप में मौजूद ‘टॉगल’ विकल्प पर टैप कर ‘फ्रंट’ से ‘रियर’ कैमरा पर जाने की सुविधा मिलेगी। यूजर चाहे तो अपना फोन या वेब कैमरा ऑफ कर सिर्फ ऑडियो कॉल के जरिए मीटिंग से जुड़ सकेगा

ऐसे करें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

■ www.saynamanste.in वेबसाइट/एप पर जाकर ‘क्रिएट न्यू मीटिंग’ विकल्प पर क्लिक करें।

■ ‘ऐड योर नेम’ में अपना नाम डालने पर आपको मीटिंग का यूआरएल, आईडी और कोड मिलेगा।

■ अब उपरोक्त जानकारी को कॉपी कर उन लोगों को भेजें, जिनके साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करनी है।

■ एप में ‘होस्ट’ ही नहीं, मीटिंग का ब्योरा रखने वाले कोई भी व्यक्ति नए सदस्यों को आमंत्रित कर सकता है।

लॉन्च से पहले ही हुआ लोकप्रिय

■ 25 कॉलर अभी जुड़ सकते हैं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में, भविष्य में यह संख्या 100 करने की योजना।

■ 05 लाख के पार हुई ‘से-नमस्ते’ के यूजर की संख्या बीटा वर्जन लॉन्च होने के कुछ दिनों में

■ 50 सॉफ्टवेयर डेवलपर की टीम ने लॉकडाउन में दो दिन की कड़ी मशकत से तैयार किया एप।

वॉट्सएप की ऑडियो या वीडियो कॉल में एक साथ जुड़ सकेंगे आठ लोग

वॉट्सएप ने अपने यूजर्स के चैटिंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए शानदार फीचर की शुरुआत की है। वॉट्सएप के एंड्रॉयड और आईओएस यूजर अब ग्रुप में एक साथ आठ लोगों से ऑडियो या वीडियो कॉल के जरिए कनेक्ट हो सकते हैं।

इस फीचर के आने से पहले वॉट्सएप ग्रुप में अधिकतम चार सदस्य ही एक साथ कनेक्ट हो सकते थे। यह जानकारी व्हाट्सएप अपडेट को ट्रैक करने वाली एक लोकप्रिय चीनी तकनीकी साइट वेब बीटा इफो के टिवटर अकाउंट से मिली है। हालांिया वॉट्सएप बीटा अपडेट से पता चला है कि कंपनी जल्द ही अपने दो अरब यूजर्स के लिए एक ऑडियो या वीडियो ग्रुप कॉल में प्रतिभागियों की सीमा का विस्तार करने के लिए तैयार है, जिसमें भारत के 40 करोड़ से अधिक लोग भी शामिल हैं।

वेब बीटा इफो ने ट्वीट किया कि वॉट्सएप



आईओएस और एंड्रॉयड बीटा यूजर्स के लिए ग्रुप कॉल में प्रतिभागियों की नई सीमा को शुरू करने जा रहा है। नई

फेसबुक

मैसेंजर

के साथ

एक कॉल

में 50 लोग

जुड़

सकते हैं।

शिल्पा मेडिकेयर ने कैसर की दवा बाजार में उतारी

नई दिल्ली। शिल्पा मेडिकेयर ने कहा कि उसने कैसर की दवा दसाटिनिब के जैनेरिक संस्करण को बाजार में उतारा है, जिसकी मासिक चिकित्सा लागत 6440 रुपए होगी। शिल्पा मेडिकेयर ने शेयर बाजार को बताया कि दसाटिनिब का पेटेंट ब्रिस्टल मेयर्स स्क्वैब के पास था और ये पेटेंट 12 अप्रैल 2020 को खत्म हो गया था। जेनेरिक दवा आने से पहले इस दवा की मासिक चिकित्सा लागत लगभग 1.65 लाख रुपए है। कंपनी ने बताया कि दसाटिनिब के देशी जेनेरिक संस्करण को दसाशील के नाम से बाजार में उतारा है।

छोटे उपक्रमों को बड़ी कंपनियों को बेचने पर होगा गौर

नई दिल्ली। विनिवेश विभाग चालू वित्त वर्ष में बड़े केंद्रीय लोक उपक्रमों के निजीकरण के बजाए छोटे उपक्रमों को सार्वजनिक क्षेत्र की ही बड़ी कंपनियों को बेचने पर गौर कर सकता है। कोरोना वायरस महामारी के कारण विभाग के लिये कंपनियों में हिस्सेदारी बेचने के लिये खरीदार तलाशना मुश्किल हो गया है। एक अधिकारी ने कहा कि माहमारी के कारण कंपनियों के शेयर बाजार मूल्योंकन पर असर पड़ा है। ऐसे में निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंध विभाग दौम को बजट में गिभिरित 1.20 लाख करोड़ रुपए के विनिवेश लक्ष्य को हासिल करने के लिये कुछ अलग रास्ते पर गौर करना होगा। उसने कहा, हमरा मानना है कि केंद्रीय लोक उपक्रमों सीपीएसई का निजीकरण मौजूदा हालात में मुश्किल होगा। इतना ही नहीं आने वाले समय में स्थिति कोई बहुत अच्छी नजर नहीं आ रही।

कोल इंडिया का उत्पादन लक्ष्य बरकरार : कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने कोल इंडिया लिमिटेड को 2024 तक एक अरब डॉलर के कोयलस उत्पादन के लक्ष्य को पाने के लिये चालू वित्त वर्ष में उत्पादन लक्ष्य 71 करोड़ टन बनाये रखने को कहा है। मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। सरकार को उम्मीद है कि लॉकडाउन समाप्त किये जाने के बाद कोयले की मांग में तेजी आयेगी। कोयला एवं खान मंत्री प्रल्हाद जोशी नेकोल इंडिया लिमिटेड के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए यह लक्ष्य निर्धारित किया।

सप्ताहांत पर गिरा शेयर बाजार

विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों से सेंसेक्स 535 अंक लुढ़का

मुंबई। विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच बैंकिंग, वित्त, आईटी व टेक क्षेत्र की कंपनियों में भारी बिकवाली से सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार डेढ़ फीसदी से अधिक की गिरावट में बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 535.86 अंक यानी 1.68 प्रतिशत लुढ़क कर 31,327.22 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 159.50 अंक यानी 1.71 फीसदी की गिरावट के साथ 9,154.40 अंक पर बंद हुआ।

मझौली और छोटी कंपनियों में भी निवेशकों ने बिकवाली की। बीएसई का मिडकैप 1.77 प्रतिशत टूटकर 11,464.20 अंक पर और स्मॉलकैप 1.40 प्रतिशत फिसलकर 10,633.54 अंक पर आ गया। इससे पहले लगातार दो दिन बाजार में तेजी देखी गयी थी। अधिकतर बैंकिंग एवं वित्तीय कंपनियां लाल निशान में रहीं। सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस ने नौ फीसदी से अधिक का नुकसान उठाया। इंडसइंड



बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी के शेयर पाँच से सात प्रतिशत के बीच टूटे। आईटी एवं टेक कंपनियों में भी गिरावट का रुख रहा। अपनी दूरसंचार रिलायंस जिओ में अमेरिकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक को इसी सप्ताह 9.99 फीसदी हिस्सेदारी बेचने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर तीन प्रतिशत से अधिक चढ़ गये।

436 अंक गिरकर खुला सेंसेक्स

सेंसेक्स 436.46 अंक टूटकर 31,426.62 अंक पर खुला और कुछ ही देर में करीब छह सौ अंक लुढ़कता हुआ 31,278.27 अंक तक उतर गया। बाद में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में लिवाली शुरू होने से सेंसेक्स की गिरावट काफी कम हो गयी। बीच कारोबार में यह 31,842.24 अंक तक चढ़ने में कामयाब हुआ लेकिन इसके बाद एक बार फिर इसका ग्राफ तेजी से नीचे उतरा। अंततः यह गत दिवस की तुलना में 1.68 प्रतिशत नीचे 31,327.22 अंक पर बंद हुआ। बीएसई में कुल 2,518 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,579 के शेयर गिरावट में और 775 के बढ़त में रहे। शेष 164 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव से होते हुये अपरिवर्तित बंद हुये। निफ्टी भी 150 अंक लुढ़ककर 9,163.90 अंक पर खुला और पूरे दिन लाल निशान में रहा। इसका दिवस का निचला स्तर 9,141.30 अंक और उच्चतम स्तर 9,296.90 अंक दर्ज किया गया। अंत में यह गुरुवार की तुलना में 1.71 फीसदी उतरकर 9,154.40 अंक पर रहा। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 40 के शेयर टूट गये जबकि शेष 10 में बढ़त रही।

29 लाख होंगे बेरोजगार

एयरलाइंस को 1,122 करोड़ डॉलर का होगा नुकसान

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के मद्देनजर लगाये गये प्रतिबंधों से भारतीय विमान सेवा कंपनियों को इस साल 1,122 करोड़ डॉलर का राजस्व नुकसान होगा और 29 लाख से भी ज्यादा लोग बेरोजगार होंगे।

अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ आयात की जारी रिपोर्ट के अनुसार, यात्री विमान सेवा पर जारी कड़े प्रतिबंध यदि तीन महीने तक रहते हैं तो वर्ष 2019 की तुलना इस साल देश में यात्रियों की संख्या में 8.98 करोड़ यानी करीब 47 प्रतिशत की गिरावट आयेगी। इससे विमान सेवा कंपनियों को 1,122.1 करोड़ डॉलर का राजस्व नुकसान होगा। साथ ही 29,32,900 लोगों की रोजी-रोटी छिन जायेगी। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए जारी इस रिपोर्ट में सबसे ज्यादा नौकरियां भारत में जाने

की आशंका जताई गयी है जबकि राजस्व नुकसान के मामले में जापान और ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत तीसरे स्थान पर रहेगा। एयरलाइंस की कमाई में जापान में 2,200 करोड़ डॉलर और ऑस्ट्रेलिया में 1,400 करोड़ डॉलर से अधिक की गिरावट की आशंका व्यक्त की गयी है।आयटा ने इससे पहले 14 अप्रैल को जारी रिपोर्ट में कहा था कि भारत में यात्रियों की संख्या 36 प्रतिशत घटेगी जिससे 884 करोड़ डॉलर का राजस्व नुकसान होगा और 22.47 लाख लोगों का रोजगार छिन जायेगा। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए आयटा के उपाध्यक्ष कोनाई क्लिफोर्ड ने कहा कि पिछली रिपोर्ट से अब तक स्थिति और खराब हुई है। विमान सेवा कंपनियों अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रही हैं।

नागपुर मंडल के कर्मचारियों ने किया उत्कृष्ट कार्य

मंडल ने शुरू किया विशेष पार्सल ट्रेन का परिचालन

बैतूल। कोरोना के खौफ के चलते देश भर में सन्नाटा पसरा है। ऐसे में सन्नाटे को चीरती मालगाड़ी की आवाज कानों में सुनाई देती है तो मानों शरीर में नई ऊर्जा भर जाती है। मालगाड़ी का हॉन आभास कराता है कि भारतीय रेल सफ कठिन दौर में भी देशवासियों की सेवा में निरंतर लगी है। रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी सेवा के लिए तत्पर हैं। लॉकडाउन में आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य सामग्री, दवाएं, चिकित्सा उपकरण, खाद्य तेल आदि की उपलब्धता के लिए मध्य रेल नागपुर मंडल पर पार्सल ट्रेनों का परिचालन निरंतर जारी है। देश के हर कोने में दवा, सब्जियों, फलों, डक बैग आदि जीवन आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए रेल कर्मचारी 24 घंटे काम कर रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक सोमेश कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कृष्णाथ पाटिल के मार्गदर्शन में सहायक वाणिज्य प्रबंधक विजय शुल के निरीक्षण में पार्सल कार्य पर कड़ी नजर रखी जा रही है। कोविड19 संक्रमण के दौरान पूरे देश में लॉक डाउन किया गया है। इससे रेल की सेवा पर विपरीत असर हुआ है, लेकिन नागपुर मंडल पार्सल सेवा आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए तत्पर है। बैतूल के व्यापारियों ने खंड वाणिज्य निरीक्षक आमला सुनील

अर्थव्यवस्था को शुरू करने की बिल गेट्स की पांच रणनीति

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के कारण पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था मंदी के कोख में समा गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और चीन को छोड़ दें तो इस साल लगभग सभी विकसित देशों की विकास दर नेगेटिव रहने वाली है। ऐसे में सभी देश कॉर्पोरेट लीडर्स की मदद से इकॉनमी को फिर शुरू करने की कार्य योजना पर काम कर रहे हैं। ऐसे हालात में माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने ब्लॉग के जरिए कोरोना को रोकने के उपायों पर अपने विचार रखे हैं।

अपने ब्लॉग में गेट्स ने इकॉनमी को दोबारा शुरू करने को लेकर सभी देशों की अपनी सलाह दी है। उन्होंने इस महामारी की तुलना वर्ल्ड वार से करते हुए कहा कि अंतर बस इतना है कि इस लड़ाई में सभी देश एक तरफ हैं। उनका मानना है कि टेस्टिंग के तरीके में नयापन लाना, वैक्सीन और सरकार द्वारा लिए गए कड़े प्रशासनिक फैसलों से ही कोरोना महामारी के विस्तार को रोकना जा सकता है। उन्होंने कहा कि दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान जरूरत के हिसाब से दुनिया में कई बड़े आविष्कार हुए। इसमें रडार, टॉरपीडो, कोड ब्रेकिंग जैसे खोज शामिल हैं। इन खोज की वजह से युद्ध का अंत जल्द हुआ।

इन पांच बिंदुओं पर फोकस की जरूरत



कोरोना महामारी से लड़ने के लिए बिल गेट्स ने पांच प्रमुख बिंदुओं पर फोकस किया है। उन्होंने कहा, *टैक्सट, वैकसीन, टेस्टिंग, कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग और इकॉनमी* को शुरू करने की ठोस रणनीति। इन पांच बिंदुओं पर फोकस कर ही हालात सुधारे जा सकते हैं। अर्थव्यवस्था पर इसके असर को लेकर उन्होंने कहा कि बेरोजगारी की समस्या इतनी तेजी से आज तक कभी पैदा नहीं हुई। पूरी दुनिया में हर सेक्टर में कामकाज ठप है। उन्होंने कहा कि जब तक वैक्सीन तैयार नहीं हो जाती है, दुनिया वैसी नहीं रह जाएगी जैसी कोरोना से पहले थी।

बाजार समीक्षा

पंजाब, हरियाणा में गेहूं खरीदी बढ़ी, एमपी,यूपी में गति सुस्त

खराब मौसम ने बढ़ाई किसानों की चिंता

नई दिल्ली। मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटों के दौरान उत्तर भारत के साथ कई राज्यों में मौसम खराब होने का अनुमान है, जिससे गेहूं कटाई, थ्रेसिंग और बिन्नी प्रभावित होने की आशंका से किसान चिंतित है। हालांकि लॉकडाउन के बावजूद पंजाब, हरियाणा में तो गेहूं उपार्जन बढ़ा है, लेकिन एमपी, यूपी एवं राजस्थान से गेहूं उपार्जन की गति सुस्त है।

मौसम विभाग के अनुसार 25 अप्रैल को उत्तर भारत, पूर्वोत्तर के कई राज्यों में हल्की से तेज बारिश का अनुमान है, वहीं 26 अप्रैल को हिमाचल,पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड में बारिश के साथ ओलावृष्टि संभव है। झारखंड, ओडिशा, विदर्भ तेलंगाना में भी बारिश-ओलावृष्टि के आसार हैं। तटीय आंध्रप्रदेश के कई इलाकों में तेज बारिश का अनुमान है तथा यूपी, एमपी विदर्भ में कई जगह हल्की बारिश संभव है।



यूपी पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और एमपी में गेहूं की कटाई थ्रेसिंग और बिन्नी का काम चल रहा है। बारिश से खुले में रखा गेहूं भीगने का डर है। पंजाब से गेहूं खरीद बढ़कर 27.32, हरियाणा 9.15 , यूपी 2.25 लाख, मप्र 9 लाख राजस्थान में मात्र 55 हजार टन खरीद हुई है। इस बार पंजाब में 135 लाख, हरियाणा में 95 लाख, यूपी में 55 लाख और मप्र में 100 लाख एवं राजस्थान में 17 लाख टन खरीद का लक्ष्य है।

प्रदेश में कर्ज का पैसा काटकर हो रहा है भुगतान

इंदौर। मध्य प्रदेश में सोयाइडी द्वारा कर्ज का पैसा काटकर कर भुगतान किए जाने की बात सामने आई है। सीहर में किसान मूलचर्च ने 16 क्विंटल गेहूं 30800 रुपये में बेचा था, कॉ-ऑपरेटिव सोसाइटी ने 30164 रुपये कर्ज के काटकर किसान के खाते में 636 रु जमा करा दिए। इसी तरह से राज्य में अन्य किसानों को भी भुगतान ऋण काटकर किया जा रहा है। मध्य प्रदेश से चालू रबी में अभी तक एमएसपी पर करीब 9 लाख टन गेहूं की खरीद हुई है, जबकि चालू रबी में राज्य से खरीद का लक्ष्य 100 लाख टन का तय किया गया है। पिछले रबी में 67.25 लाख टन गेहूं की खरीद एमएसपी पर हुई थी।

प्रमुख उत्पादक केंद्रों पर भरपूर आवक से प्याज के दाम गिरे

नासिक। प्रमुख उत्पादक केंद्रों पर इन दिनों प्याज की भरपूर आवक के सामने मांग कमजोर होने के कारण दाम लगातार गिर रहे हैं। इस महीने मंडियों में प्याज की दाम 50 फीसदी तक गिरावट आई हैं। मांग में कमी की वजह बड़े खरीदारों मसलन होटल, रेस्टोरेंट आदि की ओर से खरीद घटना है। वहीं सभी उत्पादक राज्यों से प्याज की आपूर्ति बढ़ रही है। लिहाजा, प्याज सस्ती हो रही है। कारोबारियों के मुताबिक निचले स्तर तक आ चुके प्याज के दाम आगे भी बढ़ने के आसार कम है।

इस माह प्रमुख उत्पादक राज्य महाराष्ट्र की पिंपलगांव मंडी में प्याज के दाम 250 से 1300 रुपये विक्टल के मुकाबले गिरकर 200-670 रुपये रह गए। इसी तरह दिल्ली की आजादपुर मंडी में प्याज 500 से 1750 रुपये के मुकाबले घटकर 450-1200 रुपये प्रति क्विंटल रह गया हैं। इस दौरान उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक दिल्ली में खुदरा भाव 38 रुपये से घटकर 32 रुपये, मुंबई में 47 रुपये से घटकर 39 रुपये और लखनऊ में 40 रुपये से घटकर 25 रुपये प्रति किलो रह गए हैं। पोटेटो एंड ओनियन मर्चेट एसो.आजादपुर के



महासचिव व राजेंद्र शर्मा ने बताया लॉकडाउन के कारण होटल, रेस्टोरेंट व अन्य बड़े खरीदारों की मांग गणपथ है। वहीं उत्पादक इलाकों से प्याज की आपूर्ति भरपूर हो रही है। कमजोर मांग के बीच दबाव में इस माह प्याज के दाम लगातार घटे हैं। कारोबारी पीएम शर्मा कहते हैं कि बड़े खरीदारों के साथ ही लॉकडाउन के कारण दिल्ली में लगने वाले हजारों साप्ताहिक बाजार भी बंद हैं। इससे भी प्याज की मांग कमजोर पड़ी है। मंडी में इस समय राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र से भरपूर प्याज की आवक हो रही है, जबकि खपत कम है। जिससे आवक का पूरा प्याज बिक नहीं पा रहा है।

टोयोटा का डीलर ऑपरेशंस गाइडलाइन लागू

बैतूल।जब हम कोविड19 के प्रभाव से बचने के लिए नर-नए तरीके तलाश रहे हैं तो टोयोटा किलोस्कर मोटर ने एक अनूठा डीलर ऑपरेशंस रीस्टार्ट गाइडलाइन तैयार किया है ताकि अपने डीलर पार्टनर को सुरक्षा और हाईजीन के अच्छे व्यवहार और अनुपालन का महत्व बता कर उन्हें इस मामले में शिक्षित और सशक्त कर सके। इस तरह सभी स्ट्रेकधारकों को स्वास्थ्य से संबंधित खतरों से सुरक्षित किया जा सकेगा। लॉकडाउन खत्म होने के बाद उद्योग के लिए एक गाइड के रूप में व्यापक रीस्टार्ट मैनुअल पेश करने वाले टीकेएम ने अब अपने डीलर परिचालन शुरू करने के लिए एक विस्तृत दिशानिर्देश पेश किया है। अनूटे डीलर ऑपरेशंस रीस्टार्ट गाइडलाइन का लक्ष्य देश भर के टोयोटा डीलर आउटलेट में शुरू की गई सुरक्षा और हाईजीन की पहल पर मौजूदा और भावी ग्राहकों में आत्मविश्वास पैदा करना है। टीकेएम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंटए सेल्स एंड सर्विसे नवीन सोनी ने कहा, डीलर ऑपरेशंस रीस्टार्ट गाइडलाइन हमारे डीलर पार्टनर और उनके कर्मचारियों और निष्ठावान ग्राहकों के लिए फायदेमंद है।

पैकेजिंग सामग्रियों का सितंबर तक इस्तेमाल करने की छूट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के कारण आये अवरोधों को देखते हुए विनिर्माताओं को पैकेजिंग की बैसी सामग्रियों का सितंबर तक इस्तेमाल करने की छूट दी है, जिनके ऊपर विनिर्माण की तिथि पहले से छपी है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक नये आदेश में इसकी जानकारी मिली। हालांकि विनिर्माताओं को ऐसी सामग्रियों का इस्तेमाल करने की स्थिति में मुहर या स्टिकर लगाकर विनिर्माण व पैकेजिंग की मूल तारीख की जानकारी देनी होगी। मंत्रालय ने कहा, कोरोना महामारी के मद्देनजर देश भर में लॉकडाउन से विनिर्माण कार्यरुक गये हैं। पैकेजिंग की उन सामग्रियों का इस्तेमाल तय समय सीमा के भीतर नहीं किया जा सका था जिन पर विनिर्माण की तारीख पहले अंकित की जा चुकी थी। मंत्रालय ने विनिर्माताओं और पैकेजिंग कंपनियों को ऐसी सामग्रियों का इस्तेमाल सितंबर तक करने की छूट दी है, जिनके ऊपर विनिर्माण की पहले की तारीख अंकित है।

अमृता खानविलकर ने बनाई लॉकडाउन डायरी

नई दिल्ली। कोविड19 महामारी अब व्यापक रूप से फैल रही है। इसलिए टेलीविजन अभिनेता घर पर रहते हुए लॉकडाउन का पालन कर रहे हैं। इस समय ये कलाकार कई तरह की गतिविधियां कर रहे हैं। जैसे कि विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाना, हर दिन काम करना, संगीतमय खेल आदि। खतरों के खिलाडी सीजन 10 की लोकप्रिय प्रतियोगी अभिनेत्री अमृता खानविलकर इनसे बंद के दौरान कुछ अलग कर रही हैं। उसने एक लॉकडाउन डायरी बनाई है और इसे उपनाम दिया है प्रिय डायरी और वह इसमें बहुत धार्मिक रूप से लिखती हैं। यह डायरी उसकी पत्रिका है जिसमें वह अपनी दैनिक गतिविधियों का उल्लेख करती हैं। अमृता खानविलकर ने कहा, लॉकडाउन के शुरुआती दिनों में मैंने अपना समय सोने, खाने और कुछ वर्कआउट करने में बिताया। कुछ समय के बाद मुझे एहसास हुआ कि मुझे कुछ नया खोजना चाहिए जो मैं अपने व्यस्त समय में नहीं कर सकती थी। फिर मैंने अपनी पत्रिका में चीजें लिखना शुरू किया और मैंने इसे प्रिय डायरी नाम दिया। मैंने एक कीबोर्ड संचालित करने का तरीका सीखा। मैं ऑनलाइन कक्षाएं ले रही हूं और चार कक्षाएं पूरी कर चुकी हू।

कोविड19 इंश्योरेंस प्लान ऑफर कर रही कंपनियां

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन आंकड़ों के अनुसार दुनिया भर के विभिन्न हिस्सों में लगभग एक मिलियन लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। भारत में कुल 20000 लोगों में इस वायरस के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। लोगों में नेगेवल कोरोना वायरस के तेजी से प्रसार को देखते हुए भारत में सभी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों ने रेग्युलर हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी के तहत कोरोना वायरस के लिए उपचार के खर्च करना शुरू कर दिया है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण इरडा के निर्देशों के अनुसार इंश्योरेंस कंपनियों ने खास तौर पर कोरोना वायरस पर केंद्रित विशेष हेल्थ कवरेज प्रदान करते हैं।

रुपया 40 पैसे गिरकर 76.46 के स्तर पर बंद

मुंबई। विदेशी मुद्रा बाजारों में डॉलर की तेजी तथा घरेलू शेयर बाजार के गिरावट के बीच शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 40 पैसे गिरकर 76.46 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबारियों ने कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ कारगर मानी जा रही एक दवा के पहले ट्रायल में असफल होने से बाजार की धारणा प्रभावित हुई। रुपया गिरावट के साथ 76.30 प्रति डॉलर पर खुला और कुछ ही देर में 76.47 प्रति डॉलर पर आ गया। कारोबार के समाप्त होने पर यह 40 पैसे की गिरावट के साथ 76.46 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। छह प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर का सूचकांक 0.31 प्रतिशत चढ़कर 100.74 पर पहुंच गया। कारोबारी इस बात से चिंतित रहे कि कोरोना वायरस के संक्रमण के मामलों में तेज वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी।

एफडीआई पर सख्ती से वोडा आइडिया, एयरटेल को होगी मुश्किल!

नई दिल्ली। चीन से फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट एफडीआई डीलस की निगरानी करने के सरकार के फैसले से टेलिकॉम कंपनियों वोडाफोन आइडिया वीआईएल और भारतीय एयरटेल को हुआवे

जैसी चाइनीज वेंडर्स से टेलिकॉम उपकरण खरीदने में मुश्किल हो सकती है हालांकि, इंडस्ट्री के एग्जिक्यूटिव्स और एक्सपर्ट्स ने बताया कि इन दोनों टेलिकॉम कंपनियों के नेटवर्क इक्विपमेंट खरीदने की अपनी योजनाओं में जल्द बदलाव करने की संभावना नहीं है क्योंकि चीन के सप्लायर्स से इक्विपमेंट खरीदने पर कोई रोक नहीं है। भारतीय एयरटेल और वीआईएल अपने 3जी और 4जी नेटवर्क के लिए काफी इक्विपमेंट्स चीन की दिशा में खरीदती हैं। देश में 5जी टेक्नॉलॉजी आने पर ये एरिक्सन, नॉकिया और सैमसंग जैसी गैर चाइनीज कंपनियों से

इक्विपमेंट खरीद सकती हैं। इससे इनके बिजनेस के लिए जोखिम कम होगा और सप्लायर्स से रकबावत की आशंका भी नहीं रहेगी। एसबीआई कॉप सिक्योरिटीज के

रिसर्च हेड उजीव शर्मा ने बताया, सरकार के फैसले से टेलिकॉम कंपनियों के लिए अगले 12-18 महीनों के दौरान चाइनीज वेंडर्स से इक्विपमेंट खरीदना मुश्किल हो सकता है। इनमें से एक

टेलिकॉम कंपनी के सीनियर एग्जिक्यूटिव ने बताया कि सरकार के चीन से एफडीआई डीलस पर सख्ती करने से चाइनीज वेंडर्स से महत्वपूर्ण इक्विपमेंट खरीदने को लेकर टेलिकॉम कंपनियों को मुश्किल हो सकती है। कोरोनावायरस के कारण देश में 5जी स्पेक्ट्रम की बिन्नी जल्द होने की संभावना नहीं है। इसके अलावा टेलिकॉम कंपनियां कर्ज का बोझ अधिक होने की वजह से अभी 5जी स्पेक्ट्रम में निवेश नहीं करना चाहती।

